संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 206
पृष्ठ 8
गुरूवार
17 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- याददाश्त हो रही कमजोर?

विचार- अंबेडकर के प्रति मोदी की श्रद्धा

खेल- पंजाब ने बनाया 18 सालों के आईपीएल...

पाप पर पर्दा डालने के लिए कांग्रेस को निशाना बना रही सरकार : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली ''निरंकुश सरकार'' अपने ''पाप'' पर पर्दा डालने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने पर तुली हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और वह सरकार की नाकामियों को उजागर करती रहेगी। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपकी निरंकुश सरकार अपने पाप पर पर्दा डालने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाने पर तुली हुई है। भाजपा का आर्थिक कुप्रबंधन नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है। हताशा बढ़ती जा रही है, कोई दृष्टि नहीं, कोई समाधान नहीं, केवल ध्यान भटकाना।'' उन्होंने दावा किया कि व्यापार

घाटा तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है और 'टैरिफ' एवं व्यापार युद्ध पर कोई स्पष्टता नहीं दिख रही है तथा केवल खोखले शब्द और निरर्थक मुलाकातें हो रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, ''90 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं। 80 प्रतिशत से अधिक लोगों का कहना है कि उनका खर्च बढ़ गया, भले ही आय में वृद्धि नहीं हुई।'' खरगे ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में एफएमसीजी कंपनियों की राजस्व वृद्धि धीमी होकर केवल पांच प्रतिशत रह गई है। उन्होंने दावा किया, ''मोदी सरकार ने पेट्रोल, डीजल और ईंधन पर कर/शुल्क के रूप में (दिसंबर, 2024 तक) 39 लाख करोड़ रुपये का भारी संग्रह किया। रसोई गैस की कीमतें 50 रुपये तक बढ़ाई गईं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी कोई राहत नहीं मिली।'' उन्होंने कहा कि स्नातक बेरोजगारी दर 13 प्रतिशत और युवा बेरोजगारी दर 10.2 प्रतिशत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 23 आईआईटी में से 22 और 25 आईआईआईटी में से 23 में प्लेसमेंट में गिरावट देखी गई और एनआईटी में प्लेसमेंट में 11 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। खरगे ने दावा किया, ''एफडीआई में गिरावट से भारत को नुकसान हुआ है। अप्रैल से जनवरी 2024–25 तक भारत में शुद्ध एफडीआई केवल 1.4 अरब डॉलर से कम थी, जबकि अप्रैल से जनवरी 2012–13 तक यह 19 अरब डॉलर थी।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने के लिए लोग भाजपा को माफ नहीं करेंगे। हम डरेंगे नहीं। हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे और आपकी नाकामियों को उजागर करते रहेंगे।''

ज्ञानवापी मामला : उच्च न्यायालय में सुनवाई पांच मई तक के लिए टली

नई दिल्ली, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी की एक अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई पांच मई, 2025 तक के लिए टाल दी। वाराणसी की अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में स्थित वुजूखाना का सर्वेक्षण करने का एएसआई को निर्देश देने से मना कर दिया था। मंगलवार को जब इस मामले पर सुनवाई शुरू हुई, अदालत को सूचित किया गया कि 2020 की रिट याचिका संख्या 1246 (अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम केंद्र सरकार एवं अन्य) में उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम आदेश पारित किया है जो 21 अप्रैल, 2025 तक प्रभावी है। इस पर अदालत ने सुनवाई टाल दी। उच्चतम न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में निर्देश दिया था कि यद्यपि नए वाद दाखिल किए जा सकते हैं।

'मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार', ममता बनर्जी बोलीं-

हम जब तक रहेंगे हिंदू-मुसलमान नहीं होने देंगे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इमामों के साथ बैठक में कहा कि मुर्शिदाबाद जिले के कुछ इलाकों में वक्फ अधिनियम को लेकर कुछ अशांति हुई। उन्होंने कहा कि विपक्ष दावा कर रहा है कि तृणमूल कांग्रेस वक्फ हिंसा में शामिल है, अगर ऐसा होता तो उसके नेताओं के घरों पर हमले नहीं होते। ममता ने दावा किया कि संसद में वक्फ कानून के खिलाफ लड़ाई में तृणमूल कांग्रेस सबसे आगे थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में सभी धर्मों के लोगों ने भूमिका निभाई है, लेकिन संविधान को कमजोर करने के प्रयास जारी हैं। ममता बनर्जी ने कहा मुर्शिदाबाद में हुए सांप्रदायिक दंगे पूर्व नियोजित थे। वक्फ (संशोधन) अधिनियम देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने रामनवमी के दौरान दंगे कराने की योजना बनाई, लेकिन विफल रही; मैं

लोगों को विभाजित नहीं होने दूंगी, मैं एकता चाहती हूं। उन्होंने कहा कि हम केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के बाद उसके द्वारा पारित सभी जनविरोधी विधेयकों को वापस लेंगे। केंद्र पर वार करते हुए ममता ने कहा कि उन्हें जवाब देना चाहिए कि कितने युवाओं को नौकरी मिली है? दवाइयों पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन कुछ 'गोदी मीडिया' सिर्फ़ बंगाल के खिलाफ़ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आपको कुछ कहना है, तो मेरे सामने आकर बोलें, मेरे पीछे नहीं। बीजेपी द्वारा पोषित कुछ मीडिया चौनल बंगाल के फ़र्जी वीडियो दिखाते हैं। हमने उन्हें पकड़ा। उन्होंने कर्नाटक, यूपी, बिहार और राजस्थान के 8 वीडियो दिखाए और बंगाल को बदनाम करने की कोशिश की। उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सर्व धर्म समभाव में विश्वास करते हैं। मैं रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद में विश्वास करता हूं. मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि अगर कोई भाजपा के बयान से उत्तेजित होकर बंगाल में अशांति पैदा करना चाहता है तो उस पर नियंत्रण रखें।

कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित धन शोधन मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किये जाने के विरोध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ बुधवार को यहां प्रदर्शन किया। पार्टी महासचिव सचिन पायलट ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कोई तथ्य नहीं है और ईडी की कार्रवाई 'राजनीति से प्रेरित' है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के पास कोई सबूत नहीं है और वह केवल विपक्ष की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पूरे मामले को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा रची गई 'साजिश' करार दिया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा डर के कारण "प्रतिशोध की और ओच्छी राजनीति" कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी ''भाजपा के दुष्प्रचार को अदालत में चुनौती देगी।'' दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि मोदी सरकार "झूठे आरोपपत्र" दाखिल करके श्री गांधी या फिर कांग्रेस पार्टी को डरा नहीं सकती। उन्होंने कहा, "इस लड़ाई में पार्टी का हर कार्यकर्ता मजबूती से खड़ा रहेगा। आज देश में हालात ऐसे हैं कि जो भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसकी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है।" गौरतलब है कि कांग्रेस ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए राज्यों में ईडी के कार्यालयों और केंद्र सरकार के कार्यालयों के सामने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी।

दिल्ली सरकार ने ईवी नीति को तीन महीने बढ़ाया, बिजली सब्सिडी जारी रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को तीन महीने के लिए बढ़ाने और राष्ट्रीय राजधानी में बिजली सब्सिडी जारी रखने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में चार श्रेणियों के लिए मौजूदा बिजली सब्सिडी जारी रखने को भी मंजूरी दी गई। ये चार श्रेणियां हैं– घरेलू उपभोक्ता, किसान, चौंबर वाले वकील और वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित। बाद में दिल्ली सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि तिपहिया या किसी अन्य श्रेणी के वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। उन्होंने पीटीआई–से बातचीत में कहा,''सरकार अपने निवासियों के लिए कई चीजें करना चाहती है, और हम उन्हें संशोधित ईवी नीति में शामिल करेंगे। हालांकि, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि तिपहिया पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, न ही किसी भी श्रेणी के वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव है। मौजूदा ईवी नीति लगभग अगले तीन से चार महीनों तक जारी रहने की उम्मीद है।'' गृह मंत्री आशीष सूद ने बिजली सब्सिडी बंद करने के बारे में फैल रही गलत सूचना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्रिमंडल ने किसानों और वकीलों को लाभ पहुंचाने वाली सब्सिडी बढ़ाने के लिए एक विशेष प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, साथ ही दंगा पीड़ितों को निरंतर सहायता सुनिश्चित की है।

स्थगित हो गया पीएम मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा

वंदे भारत एक्सप्रेसे और दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का होना था उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जम्मू–कश्मीर दौरा स्थगित हो गया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री 19 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर की यात्रा पर जाने वाले थे जिसको लेकर पिछले कई दिनों से केंद्र शासित प्रदेश में तैयारियां जोरशोर से चल रही थीं। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के निदेशक द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, प्रधानमंत्री की जम्मू–कश्मीर की प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी गई है। आवश्यक कार्रवाई के लिए आभारी हूं। हम आपको बता दें कि आधिकारिक अधिसूचना में प्रधानमंत्री की जम्मू–कश्मीर यात्रा को स्थगित करने का कोई कारण नहीं बताया गया है लेकिन माना जा रहा है कि घाटी के लिए प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान के कारण प्रधानमंत्री की यात्रा रद्द कर दी गई है। हम आपको बता दें कि भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को

जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश का अनुमान जताया है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री का जम्मू–कश्मीर दौरा नये सिरे से तैयार किया जायेगा। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र शासित प्रदेश की अपनी निर्धारित यात्रा के दौरान कटरा को श्रीनगर से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का उद्घाटन करने वाले थे। इस हाई–स्पीड ट्रेन की शुरुआत को कश्मीर को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ जोड़ने के लंबे समय से चले आ रहे लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था। लॉन्च के दिन दो ट्रेनें– एक श्रीनगर से कटरा और दूसरी विपरीत दिशा में संचालित होने वाली थीं। अधिकारियों के अनुसार, यह कश्मीर घाटी और शेष भारत के बीच निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से 272 किलोमीटर लंबी परियोजना की प्रगति में एक प्रमुख मील का पत्थर है। हम आपको यह भी बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को कश्मीर के शून्य से नीचे के तापमान के हिसाब से बनाया गया है। इसमें पानी की टंकियों और बायो–टॉयलेट टैंकों को जमने से बचाने के लिए उन्नत हीटिंग सिस्टम हैं। सुरक्षा के लिए ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर भी लगाए गए हैं। यह ट्रेन जम्मू से श्रीनगर तक की यात्रा के समय को आठ या नौ घंटे से घटाकर तीन घंटे और 10 मिनट कर देगी। इसमें स्व–विनियमन हीटिंग केबल लगे हैं जो शून्य से नीचे के तापमान में सुचारू संचालन के लिए ठंड को रोकते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री को उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का उद्घाटन भी करना था। हम आपको बता दें कि कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी रेल परियोजना पहली बार 1997 में शुरू की गई थी। हालांकि, चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय, भौगोलिक और मौसम की स्थिति के कारण, परियोजना को देरी का सामना करना पड़ा।

भारी बवाल के बीच नासिक में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, पुलिस पर पथराव, 21 घायल

नासिक, एजेंसी। नासिक नगर निगम ने आज सुबह नासिक में सात पीर बाबा दरगाह को ध्वस्त कर दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दरगाह को अनधिकृत पाते हुए इसे हटाने के आदेश जारी किए थे। पुलिस का कहना है कि निवासियों और ट्रस्टियों ने खुद ही दरगाह को हटाने का फैसला किया था और कल देर रात वे इसके लिए एकत्र हुए थे, तभी भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान पथराव में 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले दागे। हिंसा के सिलसिले में अब तक 22 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। नासिक नगर निगम द्वारा यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। 40 कर्मियों वाली नगर निगम टीम के साथ चार जेसीबी, आठ डंपर और सात वाहन थे। पुलिस उपायुक्त किरण चव्हाण के अनुसार, अवैध संरचना को हटाने के लिए एक टीम पहुंची थी। हालांकि, भीड़ ने विरोध करना शुरू कर दिया। हालांकि दरगाह के ट्रस्टी और एक प्रमुख नागरिक ने उन्हें शांत करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उनकी अपील को नजरअंदाज कर दिया और पुलिस और नागरिक पर पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव में शुरू में तीन पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर थी, जो बाद में बढ़कर 21 हो गई। हमले में कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। भीड़ को तितर–बितर करने और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया।

गुजरात में संगठन मजबूत करने पर राहुल का जोर, बोले-

आरएसएस- भाजपा को सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही हरा सकती है

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात में राहुल गांधी ने कहा कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही आरएसएस और भाजपा को हरा सकती है। राहुल ने मोडासा शहर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते

हुए कहा कि हम राज्य में भाजपा को हराएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि गुजरात कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई सिर्फ़ राजनीतिक लड़ाई नहीं है, बल्कि बीजेपी–आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है। पूरा देश जानता है कि अगर कोई बीजेपी को हरा सकता है, तो वो सिर्फ़ कांग्रेस पार्टी है। अगर हमें देश में आरएसएस और बीजेपी को हराना है, तो इसका रास्ता गुजरात से होकर जाता है। कांग्रेस नेता कहा कि हमारी पार्टी की शुरुआत गुजरात से ही हुई थी। आपने हमें हमारे सबसे बड़े नेता महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए। लेकिन गुजरात में हम लंबे समय से हतोत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि मैं आपके जिले के वरिष्ठ नेताओं से मिला, जिन्होंने मुझे बताया कि हमारे बीच की प्रतिस्पर्धा रचनात्मक नहीं, बल्कि विनाशकारी है। दूसरी बात, स्थानीय टिकट वितरण में स्थानीय लोगों को शामिल नहीं किया जाता। चर्चा का मुख्य बिंदु यह था कि जिला अहमदाबाद से नहीं चलना चाहिए; जिला जिले से चलना चाहिए। जिले के नेताओं को मजबूत किया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष को जिम्मेदारी और शक्ति दी जानी चाहिए। हम यह काम अभी से शुरू कर रहे हैं।

भारतीय रेल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अनूठे डाक टिकटों की खास प्रदर्शनी

शहर समता। जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के स्थापना दिवस के अवसर पर अनूठे डाक टिकटों की एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रहकर्ता श्री अरविन्द मलिक द्वारा सन् 1853 से अभी तक के भारतीय रेल से संबंधित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई। यह आयोजन मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) श्री एस डी पाटीदार के निर्देशन एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री अजय कुमार दीक्षित के संरक्षण में किया

गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में भारतीय रेल द्वारा अर्जित विशेष उपलब्धियों के अवसर पर जारी डाक टिकटों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। इनमें पहली यात्री रेल, विद्युत कर्षण के 75 गौरवपूर्ण वर्ष, भारतीय रेल के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जारी डाक टिकट प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवलोकन किया।

कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री संजय कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) श्री अभय कुमार गुप्ता एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी जनसंपर्क विभाग पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर ने दी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला का प्राथमिक शिक्षा वर्ग संपन्न

संघ के शताब्दी वर्ष में हुए जिले के 60 शिक्षार्थी प्राथमिक शिक्षा वर्ग से शिक्षित हुए

विश्वनाथ, असम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी विश्वनाथ जिला ने नदुवार खंड में स्थित कुसुमतोला हाई स्कूल में 1अप्रैल से 9 अप्रैल तक प्राथमिक शिक्षा वर्ग (आई टी सी) का आयोजन किया गया। जिसमें 60 शिक्षार्थी प्राथमिक शिक्षा वर्ग में भाग ली। साथ ही इन शिक्षार्थी को 11 शिक्षकों ने प्रशिक्षित किया।प्रत्येक दिन का कार्यक्रम क्रमशः सर्वप्रथम प्रातः 4रू30 जागरण एकात्मतास्त्रोतम् ,प्रथम संघ स्थान, जलपान,श्रम साधना, स्नान ,योगनिद्रा , बैठक , चर्चा,भोजन व विश्राम , चाय , प्रार्थना अभ्यास , द्वितीय संघ स्थान, स्वल्पाहार, बौद्धिक, प्रवचन व रात्रि कार्यक्रम, भोजन और रात्रि 10 बजे दीप निर्वापन हुआ। प्राथमिक शिक्षा वर्ग में वर्ग अधिकारी लाचित बरठाकुर के मार्गदर्शन में हुए बैठक कार्यक्रम में विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास , तेजपुर विभाग का कार्यवाह सत्यव्रत बरुआ, विश्वनाथ जिला संपर्क प्रमुख संजीत दास , उत्तर असम प्रांत के प्रचारक निपेन वर्मन,जिला बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ, उत्तर असम प्रांत पर्यावरण संरक्षण प्रमुख बकुल गोगोई, जिला पर्यावरण प्रमुख भास्कर ज्योति बोरा, जिला प्रचारक कार्तिक गोड़, जिला सह बौद्धिक प्रमुख दीनकांत दास ने और बौद्धिक के रूप में माननीय जिला संघचालक गोपाल बोरा , तेजपुर विभाग के कार्यवाह सत्यव्रत बरुआ , उत्तर पूर्व प्रांत कार्यालय प्रमुख ज्ञान मोहन मंडल, जिला कार्यवाह अनिल बरुआ, हेलेम खंड कार्यवाह संजय खाउंड, जिला प्रचारक कार्तिक गोड़, जिला सह बौद्धिक प्रमुख दीनकांत दास, जिला शारीरिक प्रमुख रूद्र सुनारी ने शिक्षार्थी के सामने अपना विषयगत ज्ञानवर्धक जानकारी दी। आदर्श हिंदू घर , विविधता के बीच भी भारत एक देश तथा राष्ट्र, हमारा उत्सव ,भारत का गौरवशाली इतिहास, इसका पतन का कारण और उत्थान , अराष्ट्रीय कार्यकलाप, देश को परम वैभवशाली बनाना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य तथा नाम का तात्पर्य , मानचित्र द्वारा भारत का दर्शन, संघ का क्रम विकास और समाज में सर्वस्पर्शीय प्रभाव , स्वच्छता तथा पर्यावरण का रक्षा भारतीय (हिंदू)परंपरा , भगवा ध्वज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शाखा कार्यक्रम पद्धति , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रार्थना, संघ का स्वयंसेवक का गुण और व्यवहार ,समस्या बहुल असम और असम में संघ का स्थान के आलावा संघ के शताब्दी वर्ष के पांच समाज परिवर्तन बिंदू सामाजिक समरसता , कुटुंब प्रबोधन,नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण और स्वदेशी आदि विषयगत विषयों पर सारगर्भित चर्चा और व्याख्यान हुई।इसके अलावा चर्चा और शारीरिक क्रियाएं , प्रवचन भी हुए। इस सात दिवसीय प्राथमिक शिक्षा वर्ग के कार्यक्रम में वर्ग के अधिकारी तथा दायित्व के रूप में वर्गाधिकारी लाचित बरठाकुर, वर्ग मुख्य शिक्षक रुद्र सुनारी ,कार्यालय प्रमुख निपेन हजारिका ,वर्ग व्यवस्था प्रमुख राजीव दास ,सह व्यवस्था प्रमुख क्रमशः डमरू छेत्री ,भास्कर बोरा,बिमल शर्मा, पूर्ति विभाग गोविंद पाल ,सह पूर्ति विभाग अंकुर पाल ,आवासीय विभाग क्रमशः शैलेन शइकीया, द्विपज्योति दास ,बौद्धिक प्रमुख सुनील तेरांग,भोजन प्रमुख चित्रध्वज बोरा , भोजन सह विभाग क्रमशः रूपम बोरा ,तिलक शर्मा, विद्युत विभाग देवजीत गोगोई,स्वच्छता विभाग राजू बर्मन, प्रबंधक प्रमुख अविंदम भट्टाचार्य,सह प्रबंधक प्रमुख चंदन कुमार दास, स्वागत प्रमुख भपन हजारिका के सहयोग से संपन्न हुआ। विशेष बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में हुए प्राथमिक शिक्षा वर्ग में चिकित्सक, शिक्षक , कर्मचारी, ब्राह्मण ,किसान , श्रमिक और छात्र ने एक साथ प्रशिक्षित हुए। जिसमें विश्वनाथ जिले सुचिकित्सक व समाजसेवक डा० सरजीत दास, शिक्षक संतोष कुमार महतो, शिक्षक प्रांजल शइकीया, कर्मचारी पिटूपल शर्मा , ब्राह्मण बाबलू बरठाकुर,लोकनाथ कार्की , उत्तम कुमार शर्मा,राजु छेत्री,नवजीत दास , अशोक हाजंग , भास्कर ज्योति हाजरिका, कौशिक हाजरिका , तूफान बाघ आदि ने ली।

अवैध गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज। मादक पदार्थों की तस्करी के विरोध में चल रहे अभियान के तहत नवाबगंज थाने की पुलिस ने एक आरोपी को 1200 किलो अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उदय मिश्रा निवासी ग्राम कमईपुर थाना होलागढ़ को कौडिहार गांव में एक नर्सिंग होम के समीप गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से गांजा की अवैध बिक्री करने में संलिप्त रहा है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर अवैध गांजा सप्लाई करने वाले गिरोह के अन्य सदस्यों के नाम सामने आए हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

तैराकी व क्रॉस कंट्री में प्रयागराज पुलिस ने बाजी मारी

प्रयागराज। प्रयागराज जोन की 28वीं अंतरजनपदीय पुलिस तैराकी ओर क्रॉस कंट्री में प्रयागराज पुलिस ने बाजी मारते हुए पहला स्थाना प्राप्त किया। प्रतियोगिता 13 से 15 अप्रैल तक आयोजित हुई। इसमें प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर सहित जोन की कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें महिला व पुरुष वर्ग में 110 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन पर रिजर्व पुलिस लाइंस में विजेता टीम और खिलाड़ियों को एडीजी जोन भानु भास्कर और पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने पुरस्कृत किया। तैराकी प्रतियोगिता में प्रयागराज प्रथम और कौशाम्बी द्वितीय स्थान प्राप्त रही। वहीं क्रासकंट्री पुरुष वर्ग 10 किमी दौड़ में कमिश्नरेट प्रयागराज ने प्रथम और बांदा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि महिला वर्ग पांच किमी दौड़ में कमिश्नरेट प्रयागराज विजेता और प्रतापगढ़ उपविजेता रही। समापन समारोह में एडीसीपी एन कोलांची, डीसीपी क्राइम सिद्धार्थ शंकर मीना, डीसीपी यातायात नीरज पांडेय, एसीपी राजकुमार मीना, प्रतिसार निरीक्षक विनोद कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

जीर्णोद्धार के बाद 26 को खुलेगी साहित्यिक गैलरी

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में प्रकृति के सुकुमार कवि कहे जाने वाले सुमित्रानंदन पंत के नाम से बनी साहित्यिक गैलरी के जीर्णोद्धार का कार्य 25 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा।

सड़क पर सज रही सब्जी मंडी से जाम, मोहल्लेवालों की खराब होती हर शाम

प्रयागराज। मधवापुर और तुलारामबाग को जोड़ने वाली मुख्य सड़क वर्षों से सब्जी मंडी के अतिक्रमण की समस्या से जूझ रही है। हालांकि महाकुम्भ 2025 की तैयारी के तहत इस सड़क से अतिक्रमण हटाकर सब्जी मंडी को सर्विस लेन पर शिफ्ट कर दिया गया था, लेकिन महाकुम्भ समाप्त होने के बाद हालात जस के तस हो गए। अब स्थिति यह है कि न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि आसपास के निवासियों का अपने ही घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। इस समस्या पर जिम्मेदार खामोश हैं। तुलारामबाग में रहने वाले लोगों के लिए हर शाम मुश्किलभरी हो जाती है। सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से लगी दुकानों, ठेलियों और बाइक से आने वाले ग्राहकों की भीड़ के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। रोडवेज की बसें भी इसी रास्ते से गुजरती हैं। ऐसे में समस्या विकट हो जाती है। लोग शाम के समय अपने वाहनों को घरों से बाहर नहीं निकाल पाते। हालात यह हो जाते हैं कि पैदल चलना मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह समस्या कोई नई नहीं है। पांच दशक से अधिक समय से तीनकोनिया क्षेत्र में सब्जी मंडी लग रही है। पहले यह मंडी तिनकोनिया चौराहे से आगे परेड की ओर लगती थी। व्यापारी केवल कुम्भ या माघ मेला के दौरान ही सीएमपी कॉलेज की ओर जाने वाली रोड पर दुकान लगाते थे। लेकिन 1989 के कुम्भ मेले के दौरान परेड क्षेत्र से मंडी को हटाकर वर्तमान स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद से ही यह जगह स्थायी सब्जी मंडी के रूप में विकसित हो गई।

2025 के महाकुम्भ से पहले जब सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य हुआ, तो सड़क के दोनों ओर सर्विस लेन बनाई गई। अतिक्रमण हटाने के प्रयास के तहत दुकानदारों को सर्विस लेन पर शिफ्ट कर दिया गया। लेकिन कुम्भ के बाद यह व्यवस्था केवल कागजों तक ही सीमित रह गई। सड़क पर ठेल, तिपहिया वाहन और बाहर से आए अस्थायी विक्रेता फिर से मंडी लगाने लगे। अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या विकराल हो गई है।

गौड़ीय मठ मंदिर के सामने मछली मंडी

चौंकाने वाली बात यह है कि गौड़ीय मठ मंदिर के ठीक सामने शाम होते ही न केवल सब्जी, बल्कि मछली बेचने वालों की भी कतार लग जाती है। इससे न केवल श्रद्धालुओं में रोष है, बल्कि मछली की दुर्गंध के कारण आसपास रहना भी

मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत की, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। सुबह मंदिर आने वाले श्रद्धालु और टहलने वाले लोग दुर्गंध और गंदगी से परेशान हो जाते हैं। मछली और सब्जी के अवशेषों से गंदगी फैली रहती है। आवारा जानवर विचरण करते रहते हैं।

स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी सवाल

स्थानीय निवासी बताते हैं कि महाकुम्भ में चौड़ी हुई सड़कें, मंडी के कारण संकरी हो जाती हैं। शाम को चलना भी दूभर हो जाता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो यह मंडी किसी खतरे से कम नहीं। सड़क पर पार्क की गई गाड़ियां, ठेले और खरीदारी करने वालों की भीड़ के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। आए दिन छोटे हादसे होते रहते हैं, लेकिन इन पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

आईजीआरएस पर शिकायत, मिला निराशाजनक जवाब

स्थानीय लोगों ने स्थिति से परेशान होकर आईजीआरएस (जनसुनवाई पोर्टल) पर भी शिकायत दर्ज करवाई, जिसमें मांग की गई कि मंडी को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाए। लेकिन जवाब में केवल इतना कहा गया कि प्रशासनिक निर्णय के तहत सर्विस लेन पर सब्जी मंडी लगाई गई है। इससे लोगों में निराशा फैल गई है। वे पूछते हैं कि जब सड़क और सर्विस लेन दोनों अवरुद्ध हो रही हों, तो क्या यह निर्णय जनहित में है?

प्रशासनिक अधिकारी समस्या पर मौन

स्थानीय लोगों का मानना है कि जिस तरह 1989 के पहले मंडी की व्यवस्था थी, उसी मॉडल को फिर से लागू किया जाए। उनका कहना है कि अगर सब्जी मंडी को परेड जैसे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाए, तो इससे तिनकोनिया क्षेत्र को राहत मिलेगी। दुकानदारों को भी स्थायी दुकानें उपलब्ध करवाई जा सकती हैं। मंडी को व्यवस्थित रूप से किसी तय क्षेत्र में बसाने से पार्किंग, भीड़, दुर्गंध और गंदगी की समस्या का समाधान हो सकता है। लोगों का आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारी इस पूरे मसले पर मौन हैं। न नगर निगम, न ट्रैफिक पुलिस और न ही स्थानीय प्रशासन ने अब तक कोई स्थायी समाधान पेश किया है। कुम्भ जैसे बड़े आयोजन में अस्थायी तौर पर व्यवस्था कर देना ही काफी नहीं होता, जब तक कि बाद में उसे स्थायी रूप से लागू न किया जाए।

सर्विस लेन पर लग रही सब्जी मंडी से स्थानीय लोगों की मुश्किल बढ़ गई हैं। सड़कों पर अतिक्रमण है। इसके लिए परेड में तिरंगा पार्क के पास सब्जी मंडी बनाने की जगह मिलनी चाहिए। वहां पर पार्किंग की समस्या भी नहीं होगी। व्यापारियों को एक स्थान भी मिल जाएगा।

कृष्ण कुमार पाठक, पार्षद, मधवापुर

दुकान के आगे ठेला लगा कर सब्जी विक्रेता रास्ता बंद कर देते हैं। दुकानदारों का व्यापार चौपट हो रहा है। कई बार नगर निगम के अधिकारियों से कहा गया, लेकिन समस्या का निदान नहीं हुआ।

शाम होते ही सड़क पर ठेले लग जाते हैं। सर्विस लेन पर तो दुकानें लगी ही रहती हैं, जाली के आगे सड़क पर भी ठेले लग जाते हैं। उसके आगे लोग गाड़ियां खड़ी करके सब्जी लेते हैं, जिससे रास्ता बंद हो जाता है।

- तिनकोनिया से जीएमपी डॉट पुल तक सड़क पर ठेलिया वालों का अतिक्रमण।
- सड़क पर अतिक्रमण के कारण शाम से लेकर देर रात तक जाम की स्थिति।
- सर्विस लेन में सब्जी मंडी स्थापित होने से स्थानीय लोगों का जीना हुआ मश्किल।
- सब्जी मंडी और मछली मंडी के कारण गंदगी और दुर्गंध से लोगों की परेशानी बढ़ी।
- पूरे इलाके में कहीं पर पार्किंग स्थल न होने के कारण और बढ़ जाती है समस्या।
- एक वैकल्पिक मंडी स्थल तय किया जाए, जहां पक्के शेड, पार्किंग और कचरा निस्तारण हो।
- अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई स्थायी रूप से हो और हर हफ्ते निरीक्षण किया जाए।
- जिला प्रशासन धार्मिक स्थलों के सामने मछली या मांस बेचने पर पूर्ण रोक लगाए।
- सर्विस लेन को केवल स्थानीय वाहनों के उपयोग के लिए खुला रखा जाए।
- सड़कों पर दुकान लगाने वालों के खिलाफ नगर निगम की ओर से कार्रवाई की जाए।

सड़क के दो तिहाई हिस्सें में सब्जी मंडी लगती है। थोड़ी सी जगह बचती है, जिसमें से लोगों को निकलने का रास्ता बचता है। रोज शाम को यही हाल रहता है। जाम से सभी परेशान हैं।

यहां सब्जी मंडी के साथ अतिक्रमण से परेशानी है। शिकायत पर कार्रवाई नहीं होती। कभी अतिक्रमण हटाने के लिए दस्ता आता भी है तो उसकी पूर्व सूचना मिल जाने के कारण ठेलिया वाले भाग जाते हैं।

कुम्भ मेला के दौरान सड़क चौड़ीकरण का लाभ लोगों को नहीं मिल पाया। फुटपाथ और सर्विस लेन पर कब्जा है ही, सड़क पर भी ठेले और दुकानें लग रही हैं। सड़क के आधे से अधिक हिस्से पर अतिक्रमण रहता है। सब्जी विक्रेता व्यापारियों की दुकान के आगे ठेला लगा लेते हैं, जिससे लोग आ जा नहीं पाते। विरोध करने पर गाली गलौज और मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। इसके कारण सीधे धंधे पर असर पड़ रहा है। – नितिन अग्रवाल, व्यापारी

दरवाजे पर ठेला और सब्जी की दुकान लगने से घर की महिलाएं परेशान रहती हैं। मना करने पर लड़ाई झगड़े पर दुकानदार आमादा हो जाते हैं। देर शाम तक दरवाजे पर बैठकर शोर शराबा और हल्ला गुल्ला मचाते हैं।

– डेविना अग्रवाल, शिक्षिका

कोई बीमार पड़ जाए या अन्य जरूरी काम हो तो हम लोग गाड़ी नहीं निकाल सकते। घर के आगे फुटपाथ, सर्विस लेन से लेकर सड़क के आधे से अधिक हिस्से पर सब्जी वालों का कब्जा रहता है। सड़क पर ही गाड़ियां भी खड़ी रहती हैं।

कई वर्षों से यह समस्या चली आ रही है। लोगों को लगा था कि महाकुम्भ मेला में सड़क चौड़ीकरण और सब्जी विक्रेताओं को स्थान दे देने के बाद समस्या सुलझ जाएगी, लेकिन हालात वैसे ही बने हुए हैं। रोज जाम लगा रहता है।

बाहरी सब्जी विक्रेता यहां आकर समस्या पैदा कर रहे हैं। दूर–दूर से सब्जी विक्रेता यहां आकर दुकान लगाते हैं। स्थानीय सब्जी वाले भी इनसे परेशान हैं। दुकान लगाने को लेकर आए दिन लोगों में विवाद होता रहता है। – मोनू पांडेय, सब्जी विक्रेता

एमपीएल टी20: एमएमसी टाइटंस ने जीती ट्रॉफी

मुजफ्फरनगर। क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित प्रथम पर MPL T–20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में टॉस के वक्त उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर डॉ युद्धवीर त्यागी और राकेश मिश्रा अध्यक्ष क्रिकेट डेवलपमेंट कमिटी उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन उपस्थित रहे। आईपीएल राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन दूसरे ही विकेट में उनके उप कप्तान विवेक आउट हो गए आराध्या और विवेक ने पारी को धीरे–धीरे आगे बढ़ना शुरू किया लेकिन दीपक राणा ने आराध्य को भी पांच रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। निशांत ठाकुर 21 ऋतिक राणा 33 मुनीब के 33 रनों के बदौलत 20 ओवर में 147 रनों का लक्ष्य MMC टाइटंस के सामने रखा। MMC Titans ने अच्छी शुरुआत की

उनके पहले ही और में 13 रन बन गए। ऋतिक अरोड़ा 15 रन और कार्तिकेय 11 रन बनाकर आउट हुए लेकिन मध्यम क्रम में पूरे टूर्नामेंट में शानदार बैटिंग कर रहे दीपक राणा और अनिक राणा ने परी को संभाल दीपक राणा ने 36 और ओनिक राणा ने 27 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। आखिरी के और उसमें 21 गेंद पर 36 रन बनाकर ऋतिक वत्स ने खेल अपनी तरफ कर लिया। MMC Titans ने 6 विकेट से यह मैच जीत लिया डच्स् ज–20 कट ट्रॉफी अपने नाम की। मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित प्रथम मुजफ्फरनगर प्रीमियर लीग के समापन पर मुख्य अतिथि अरविंद श्रीवास्तव सचिव उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और डी.एस. चौहान चेयरमैन गवर्निंग काउंसिल उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन न्च ज–20, विशिष्ट अतिथि के रूप में रियासत अली सह. सचिव उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन उपस्थित रहे। समापन के मौके पर मुख्य अतिथि अरविंद श्रीवास्तव ने मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं के टैलेंट को आगे लेकर आते हैं यहां से बहुत से युवा आगे भारत के लिए खेलेंगे उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन इस बात को ध्यान में रखेगी की मुजफ्फरनगर में इस तरह का शानदार आयोजन किया गया जो प्रतिभाओं को खोजने का काम कर रहा है। मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अरविंद श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह और शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया।

डी.एस चौहान ने कहा कि लिमिटेड क्रिकेट में युवाओं के पास शानदार मौके हैं मुजफ्फरनगर में शामली और आसपास की युवाओं को एक साथ खेलते हुए देखकर बहुत अच्छा लग रहा है मैं मुजफ्फरनगर के ब्तपबामज ेवबपंजपवद को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने क्रिकेट का शानदार आयोजन कराया। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सह सचिव रियासत अली ने कहा कि जिस तरीके से मैदान और विकेट को तैयार किया गया है युवाओं को बेहतर खेल का माहौल दिया गया है उसे युवाओं को प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। अतिथियों द्वारा डच्स् ज– 20 की विजेता टीम को ध्100000 नगद और व्यक्तिगत पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डच्स् ज– 20 की उप विजेता टीम को 50 हज़ार रुपए नकद और व्यक्तिगत पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच ऋतिक वत्स को चुना गया। मैन ऑफ़ द सीरीज दीपक राणा को चुना गया। दीपक राणा को 5100 नगद और डॉक्टर तारिक की ओर से दुबई का ट्रिप दिया गया। मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मनोज पुंडीर ने सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सबके सहयोग के बिना इस तरह का आयोजन करना संभव नहीं था। मैं सभी ग्राउंड्स कर्मचारी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने बड़ी मेहनत के साथ ग्राउंड पर काम किया। मुजफ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन के सभी सदस्यों एवं दर्शकों और मीडिया के सभी साथियों का भी धन्यवाद जिन्होंने टूर्नामेंट को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस मैच में रवि कौशिक, और मोहम्मद आदिल जैदी ने निर्णायक की भूमिका निभाई मो. शाहिद थर्ड अंपायर के रूप में उपस्थित रहे। स्कोरिंग का दायित्व पलक शर्मा एवं अपूर्व यादव ने निभाई। इस पूरे टूर्नामेंट में अनवर सिद्दीकी मैदान और टीवी कमेंटेटर रहे। फाइनल मैच में आईपीएल के तर्ज पर चीयर गर्ल्स ने चौकों और छको पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुज़फ्फरनगर क्रिकेट एसोसिएशन से चेयरमैन भीम कंसल, अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, सचिव मनोज पुंडीर, कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, उपाध्यक्ष कुशल पाल सिंह, इंदर माथुर, योगेंद्र मलिक, संयुक्त सचिव ओमदेव सिंह, रोहित चौधरी, विकास राठी, अरविंद भारद्वाज, रोहन त्यागी, अरशद, आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कंप्यूटर के शिक्षकों की भर्ती की सबसे बड़ी अड़चन हुई दूर

प्रयागराज। संजोग मिश्र राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कंप्यूटर विषय की एलटी ग्रेड (सहायक अध्यापक) भर्ती की सबसे बड़ी अड़चन को दूर करते हुए बीएड की अनिवार्यता से छूट दे दी गई है। 28 मार्च को जारी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (षष्टम संशोधन) नियमावली 2024 में इस महत्वपूर्ण बदलाव को मंजूरी दी गई है। 2018 की एलटी ग्रेड भर्ती में पहली बार राजकीय विद्यालयों में कंप्यूटर विषय को शामिल किया गया था। उस समय कंप्यूटर विषय के लिए बीएड की अर्हता अनिवार्य थी। कंप्यूटर विषय तकनीकी होने के कारण अधिकांश आवेदकों के पास बीएड की डिग्री नहीं थी। यही कारण है कि 2018 में विज्ञापित इस विषय के 1673 रिक्त पदों में से 1637 पद खाली रह गए थे। सिर्फ 36 कंप्यूटर शिक्षकों का ही चयन हुआ था। नियमावली में इस कमी को दूर करते हुए कंप्यूटर शिक्षकों की भर्ती में अब बीएड को अधिमानी अर्हता के रूप में शामिल किया गया है। यानि बीएड करने वालों को चयन में वरीयता तो मिलेगी, लेकिन बीएड नहीं करने वाले अभ्यर्थी भी सहायक अध्यापक बन सकेंगे। माना जा रहा है कि इस संशोधन से राजकीय विद्यालयों में कंप्यूटर विषय के शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी। अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) अजय कुमार द्विवेदी का कहना है कि एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती की नियमावली संशोधित हो चुकी है और उसी के आधार पर चयन होगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने एलटी ग्रेड के 7385 (2525 महिला व 4860 पुरुष श्रेणी) पदों का अधियाचन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजा है। संशोधित नियमावली में समकक्षता शब्द पूरी तरीके से हटा दिया गया है ताकि इसकी आड़ में होने वाली मुकदमेबाजी से बचा जा सके और समय से भर्ती पूरी हो सके।

एलटी कला में बीएफए के लिए बीएड अनिवार्य नहीं

एलटी ग्रेड की संशोधित नियमावली में कला विषय की शिक्षक भर्ती में भी बीएफए योग्यताधारी अभ्यर्थियों को बीएड से छूट दी गई है। पहले कला या ललितकला विषय के साथ स्नातक और बीएड की उपाधि अनिवार्य थी। संशोधित नियम में कला विषय के साथ स्नातक और बीएड को तो रखा गया है। इसके अलावा ललितकला (बीएफए) करने वाले अभ्यर्थियों के लिए बीएड अनिवार्य नहीं है। बीएड अधिमानी अर्हता है यानि चयन में वरीयता तो मिलेगी लेकिन बीएड न करने वाले अभ्यर्थी भी शिक्षक बन सकेंगे।

उत्तर मध्यमा करने वाले एलटी हिंदी में कर सकेंगे आवेदन

एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के संशोधित नियम में अब उत्तर मध्यमा करने वाले अभ्यर्थी भी हिंदी विषय के सहायक अध्यापक बन सकेंगे। एलटी हिंदी के लिए स्नातक में हिंदी एक विषय के साथ, इंटरमीडिएट में संस्कृत एक विषय और बीएड की पहले अनिवार्यता थी। इसे अब संशोधित करके स्नातक में एक विषय के रूप में हिंदी के साथ इंटरमीडिएट में संस्कृत एक विषय के रूप में या उत्तर मध्यमा कोर्स वाले भी वह अभ्यर्थी जो बीएड की उपाधि रखते हों आवेदन के लिए पात्र होंगे।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया मुज़फ्फरनगर इकाई ने अपने पदाधिकारियों को किया कार्ड वितरण

मुज़फ्फरनगर। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जिलाध्यक्ष ने अपने संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों को नई मंडी के रेस्टोरेंट में कार्ड वितरित किये। मीटिंग की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन ने की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गोयल व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शरद शर्मा का सभी ने स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन ने सभी साथियो को संगठन का कार्ड व स्टिकर देते हुए पत्रकारिता को समाजसेवा राष्ट्र सेवा के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार ने जल्द ही संगठन का विस्तार करने हेतु सदस्यता अभियान शुरू करने की बात कही आगामी 30 मई पत्रकारिता दिवस पर भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई जाएगी। मीटिंग के अंत मे जिलाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कुमार के द्वारा सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की डोसा पार्टी की गई। इस दौरान डॉ धर्मेंद्र सिंह, राजीव गोयल, शरद शर्मा, शिवम जैन, भारतवीर प्रजापति, मेहराब खान,सुरेश धीमान, नीतीश मलिक, शक्ति सिंह,नीरज कुमार ,मुकेश आदि लोग उपस्थित रहे।

लूट की घटना का हुआ पर्दाफाश

मंसूरपुर। संधावली कट पर फोटोग्राफर से हुई लूट की घटना का बुधवार को मंसूरपुर पुलिस ने सफल अनावरण किया हैं। लुटेरों के कब्जे से पुलिस ने हुंडई कार,फोटोग्राफी कैमरा, 5 हजार की नगदी, दो चोरी की गयी बकरिया व हथियार बरामद किये हैं।

इंस्पेक्टर सुभाष अत्रि ने बताया की मंगलवार रात लच्छेड़ा जड़ोदा मार्ग पर चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। तभी आई 20 कार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर कार सवारो ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपितो को पकड़ लिया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो आरोपितो ने 11 अप्रैल को कुकड़ा निवासी फोटोग्राफर से सन्धावली कट पर लूट करना कबूला। अभियुक्तो ने अपना नाम मोहम्मद साहिल पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी किदवइनगर थाना खालापार, मोहम्मद फिरोज पुत्र अनवर निवासी बकब दारुल उलूम थाना देवबन्द, साहिल पुत्र रिजवान निवासी मदिना गारडन थाना खालापार बताया। आरोपितो के कब्जे से पुलिस ने आई 20 कार, 1.50 लाख की कीमत लुटा हुआ कैमरा, 5 हजार रुपये नकद, 2 तमंचे, निशानदेही पर दो बकरिया भी बरामद की हैं। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी द्वारा सुधीर सैनी को भाजपा जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद लक्ष्मी नगर मंडी रोड स्थित भाजपा कार्यालय पर सुधीर सैनी भाजपा जिला अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं देते हुए विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों द्वारा सुधीर सैनी जी को भाजपा का पुनः

जिलाध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर उनका पटका पहनाकर एवं माल्यार्पण करके स्वागत किया गया एवं विश्व हिन्दू परिषद की पर्व पत्रिका भेट करने का पश्चात उनको शुभकामनाएँ दी गयी जिसमे मुख्य रूप से राधेश्याम विश्वकर्मा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, अमित तिवारी शास्त्री जिला मठ मंदिर प्रमुख, संजय शर्मा जिला विशेष सह संपर्क प्रमुख,सतीश कौशिक जिला प्रचार प्रमुख, सतेंद्र सैनी संयुक्त प्रखंड प्रचार प्रमुख आदि उपस्थित रहे

बर्फ के ठेले को ट्रेक्टर से कुचलकर मजदूर परिवार के साथ मारपीट

मोरना। ढांसरी गांव मे गंग नहर के संकरे पुल से गुज़र रहे बर्फ के ठेला संचालक द्वारा दबंग ट्रेक्टर चालक से रास्ता मांगा गया। तो दबँगो द्वारा इसकी सजा पूरे परिवार को दी गयी। दंबगो ने ट्रेक्टर से ठेले को कुचलते हुए हिंसा का तांडव किया। मजदूर कश्यप परिवार के सदस्यों को मारपीट कर घायल कर दिया।घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पीड़ितों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव ढांसरी निवासी लता पत्नी धर्मवीर

कश्यप ने थाने आकर बताया की परिवार का ही विमल कश्यप ठेले पर बर्फ बेंच कर परिवार की आजीविका चलाता है। विमल गांव स्थित नहर के संकरे पुल से गुजर रहा था कि सामने से आ रहे ट्रेक्टर चालक से विमल ने रास्ता देने को कहा जिस पर ट्रेक्टर चालक ने पारा चढ़ाकर विमल को गलियां देनी शुरू कर दी विरोध करने पर आरोपी ने बर्फ के ठेले को ट्रेक्टर से कुचल दिया। तथा विमल के साथ मारपीट की। पिटाई व सरेआम हुए अपमान को सहकर विमल घर पहुंचा। आरोप है की कुछ देर बाद गुर्जर समाज के दर्जनों व्यक्ति घर मे घुस आये और लाठी डंडो से मारपीट शुरू कर दी जिसमें लता सहित परिवार के विपिन, मुन्नी, सोहनवीर घायल हो गये। वहीं मारपीट की वीडियो बना रहे डॉ. स्वराज कश्यप को आरोपियों ने छत से फेंक दिया। तथा डॉ. स्वराज की गर्भवती पत्नी नीतू के साथ भी मारपीट की गयी। घायल डॉ. स्वराज को गंभीर हालत मे अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भांजे से पत्नी के संबंधों की वीडियो बनाने के शक में की मामा की हत्या

मोरना। मंगलवार की रात बेहड़ा –बिजनौर मार्ग पर स्थित कैडी गांव मे मारपीट के दौरान भांजे को बचाने गये मामा की आरोपियों ने लाठी डंडो से मारपीट कर हत्या कर दी थी। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी व कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित पक्ष के ग्रामीणों ने थाने पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर आला ए कत्ल लोहे की रोड सरिये डंडो को बरामद करते हुए जेल भेज दिया है।वहीं पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए बताया की श्रवण को शक था की विनोद से उसकी पत्नी के अवैध संबंध है जिसकी वीडियो विनोद के पास है।इसी शक को लेकर विनोद के साथ मारपीट की गयी थी।

ककरौली थाना क्षेत्र के गांव कैड़ी मे श्यामलाल चौहान 60 वर्ष मजदूरी करता था। श्याम लाल की बहन हीरो देवी भी गांव मे ही रहती है। मंगलवार की शाम भांजे विनोद के साथ हुए विवाद मे मारपीट हो गयी।भांजे विनोद के साथ मारपीट की सूचना पर पहुंचे श्यामलाल व उसके पुत्र रमेश को आरोपियों ने घेर लिया।और श्यामलाल व रमेश पर धारदार हथियारों से वार घायल कर दिया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने श्यामलाल चौहान को मृत घोषित कर दिया व रमेश को गंभीर हालत मे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था। पुलिस ने रमेश की पत्नी मंजो द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों शिव कुमार,नितिन, आकाश, श्रवण के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

बुधवार की सुबह सवेरे पीड़ित पक्ष के दर्जनों व्यक्ति थाने पर पहुंचे और शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी को मांग करते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने दोपहर बाद घटना का अनावरण करते हुए चारो आरोपियों शिवकुमार, नितिन,आकाश, श्रवण को गिरफ्तार कर आला ए कत्ल बरामद कर जेल भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक देहात आदित्य बंसल ने प्रेस वार्ता मे बताया की श्रवण को शक था की उसकी पत्नी के अवैध संबंध विनोद के साथ हैं। और विनोद के पास उसकी पत्नी की वीडियो भी है। इसी शक के आधार पर विनोद के साथ मारपीट की गयी जिसे बचाने गये मामा श्यामलाल चौहान की मारपीट कर हत्या की गयी।

एस.डी. कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में फोटोग्राफी कम कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड स्थित एस० डी० कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरनगर में संस्थान में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के लिये फोटोग्राफी एवं कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता, पर्यवेक्षण क्षमता तथा कलात्मक सोच को एक मंच प्रदान करना था। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को प्रकृति की सुंदरता, कॉलेज जीवन तथा शहरी जीवन की झलक जैसे विषय दिए गए थे। छात्रों ने अपने कैमरों और मोबाइल फोनों की मदद से जीवन के अनोखे क्षणों को कैद किया और उन्हें कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया। वहीं कोलाज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विभिन्न रंगीन चित्रों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं व अन्य सामग्री का प्रयोग करते हुए सुंदर–सुंदर कोलाज बनाए। जिसमें पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा डिजिटल इंडिया प्रमुख विषय रहे। कुछ छात्रों ने सामाजिक संदेशों को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया कि दर्शकों के साथ–साथ निर्णायकों ने भी उनकी प्रशंसा की। श्री अनुभव कुमार, सचिव ने सभी प्रतिभागियों को शुभाशीष देते हुये कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होने कहा कि विद्या केवल किताबी ज्ञान नहीं होती। असली शिक्षा वह होती है जो आपको अच्छा इंसान बनाती है, सोचने की आजादी देती है, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देती है। आप जो भी करें, उसमें अपना 100प्रतिशत दें। चाहे वह पढ़ाई हो, खेलकूद हो, या कोई अन्य सह–शैक्षणिक गतिविधि, हर क्षेत्र में पूरी निष्ठा से आगे बढ़ें।

डा0 सिद्वार्थ शर्मा, निदेशक ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि सफलता की कोई सीधी राह नहीं होती। रास्ते में कई कठिनाइयाँ आएँगी, लेकिन वही व्यक्ति आगे बढ़ता है जो हर गिरावट से कुछ सीखकर और भी मजबूती से उठ खड़ा होता है। आप अपने साथियों की मदद करें, टीमवर्क को समझें और हमेशा एक–दूसरे का सम्मान करें।

प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं की घोषणा की गई। जिसमें ज्योति सिंह प्रथम, हनी द्वितीय एवं राधिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में समस्त विभागाध्यक्ष तथा फोटोग्राफी क्लब के विशेषज्ञ शामिल थे।

पश्चिम बंगाल में अनुच्छेद 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएः लोकेश सैनी

मुजफ्फरनगर। आज शिवसेना के दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने शिव सेना नेता मनोज सैनी के आह्वान पर पश्चिम बंगाल में वक्फ बोर्ड कानून की आड़ में हिंदुओं के साथ हो रहे सुनियोजित अत्याचार व लूट खसोट के विरुद्ध सख्त कार्यवाही व अनुच्छेद 356 के अंतर्गत पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री महोदय के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय को दिया /

इस अवसर पर शिवसेना के प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा व मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने कहा पश्चिम बंगाल में हो रहे सुनियोजित हिंदुओं की हत्या व हिंदू बहन बेटियों के साथ हो रही दरिंदगी के बावजूद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की खामोशी व कोई भी कठोर कार्रवाई न होने से ऐसा लगता है जैसे वहां के दंगाइयों को मुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त है,वहीं शिवसेना जिलाध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा व नगर अध्यक्ष जितेंद्र गोस्वामी ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि ऐसी सरकार ऐसी मुख्यमंत्री का कोई औचित्य नहीं है, भारत सरकार को तुरंत ठोस कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए एवं अहिंसा घटनाओं की सीबीआई या न्यायिक आयोग द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाए व हमले में पीड़ित परिवारों को संरक्षण पुनर्वास और उचित मुआवजा प्रदान किया जाए !! इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहे हिंदू नेता पंकज भारद्वाज, युवा जिलाध्यक्ष शैंकी शर्मा, मंडल महासचिव राजेश कश्यप, मंडल उपाध्यक्ष अमरीश त्यागी, पुष्पेंद्र सैनी, पूर्व नगर अध्यक्ष आशीष शर्मा सचिन कपूर जोगी, भारत राजपूत, निकुंज सनातनी, अवनीश कुमार,राहुल, जसवीर, अरविंद, राहुल वाल्मीकि,भारत खोखर, अर्जुन कश्यप, गोपी वर्मा, रविंद्र शर्मा, सोनू कुमार, सुनील कुमार, अनुज कुमार, अतुल कुमार, आदि उपस्थित रहे !!

छात्रो को विधिक जानकारी देते हुए उनके अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक किया तथा आगामी 10 मई को लगने वाली लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गई

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर अजय कुमार के निर्देशन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया सकार्यक्रम में मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री रीतिश सचदेवा ने उपस्थित छात्रो को विधिक जानकारी देते हुए उनके अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में जागरूक किया सआगामी 10 मई को लगने वाली लोक अदालत के बारे में विस्तार से बताया किस प्रकार छात्रों के अभिभावक का यदि कोई भी विवाद न्यायालय में प्रचलित है उसका निस्तारण सरल एवं

आसान तरीके से लोक अदालत के माध्यम से कराये सलोक अदालत के दौरान बैंक विवाद यातायात विवाद विद्युत विवाद जमीनी विवाद घरेलू हिंसा विवाद आदि का निस्तारण आपसी समझौते के तहत किया जाता है ससाइबर क्राइम के बारे में मान्य मुख्य अतिथि ने छात्रों को अनावश्यक लिंक अनावश्यक एप्लीकेशन आदि को डाउनलोड ना करें किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत बातों को साझा ना करें किसी को अपना बैंक पासवर्ड ओटीपी ने बताएं छात्राओं को बताया यदि वह अपनी डीपी को फेसबुक पर अगर लगाती है उस प्रोफाइल लॉक रखें किसी भी अपराध को केवल जागरूकता के द्वारा ही खत्म किया जा सकता है स विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा आए हुए अतिथियों का अंग वस्त्र पहनकर सम्मान किया एवं इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं को जागरूक करने के लिए विद्यालय मेंआने का आग्रह किया सकार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय शिक्षक गण एवं पैरालेगल वालंटियर धनीराम जी व गौरव मालिक उपस्थित रहे।

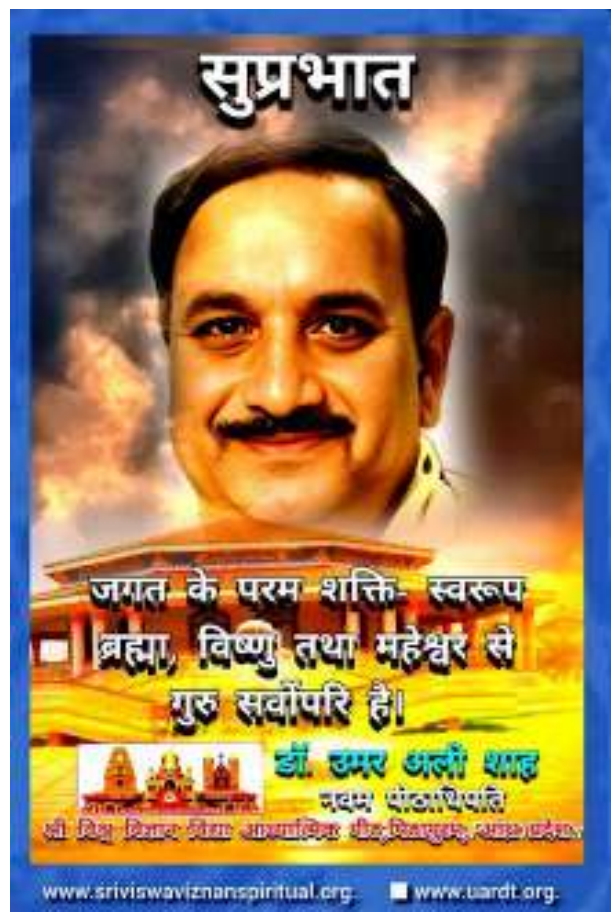

जल का आदर कीजिए

(कुण्डलिया)

कुआँ सिखाता है यही,उनका रखिए ध्यान।
आएँ हैं जो पास में, माँग रहे हैं दान।
माँग रहे हैं दान, न इनको समझो छोटा।
देना इन्हें जरूर, नीर मीठा इक लोटा।
इससे सीख प्रदीप,बनाना इक प्रेम मकाँ।
जिसमें साधु–समान, रहे एक प्यारा– कुआँ।।

दूषित करने का कभी,करिए नहीं प्रयास।
जल का आदर कीजिए, पढ़ इसका इतिहास।
पढ़ इसका इतिहास, समझ नदियों की भाषा।
जीवन का कर दान,न रखती हैं अभिलाषा।
कहने लगे प्रदीप, सदा सोचो बस परहित।
होगा इससे लाभ,न होंगी नदियाँ दूषित।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भारतीय रंगमंच एवं सभी कलाओं की समृद्धि के लिए सांस्कृतिक संस्था अभिनव का दो दिवसीय दिव्य अखंड मानस पाठ

प्रयागराज। अभिनव संस्था प्रयागराज के केन्द्रीय कार्यालय काला डांण्डा प्रयागराज की दर्शक दीर्घा में भारतीय रंगमंच की समृद्धि, कलाओं के उन्नयन, और मंगलकामना हेतु दो दिवसीय अखण्ड मानस पाठ पुरोहित पं विजय शंकर द्विवेदी के द्वारा संपन्न हुआ। जिसमें प्रयागराज के प्रतिष्ठित रंगमंच के कलाकारों, चित्रकारों, मूर्तिकारों, कवि–साहित्यकारों का इस धार्मिक अनुष्ठान में आगमन रहा। अभिनव संस्था से श्रीमती निर्मल श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव (वरिष्ठ अधिवक्ता, हाई कोर्ट) एस पी श्रीवास्तव, अमरेश श्रीवास्तव, संगीता श्रीवास्तव,

प्रतिमा श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, शैलेश श्रीवास्तव(चेयरमैन/रंग निर्देशक), सरगम लता (अभिनेत्री/लोक गायिका)सुजाता सिन्हा, आशीष सिन्हा, देवाशीष श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, शादमा खातून, रितिक श्रीवास्तव, आदित्य सिंह, दिलीप सिंह, बरखा सिंह, नेहा केसरवानी, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा (अंतराष्ट्रीय चित्रकार/कवि) राजकुमारी,कवि–साहित्यकार योगेन्द्र मिश्र, रेखा मिश्रा, कवि शम्भु नाथ श्रीवास्तव, इंद्रावती श्रीवास्तव, अभिलाष नारायाण (वरिष्ठअभिनेता /निर्देशक आकाशवाणी श्रेश ग्रेड आर्टिस्ट) अजय मुखर्जी (निर्देशक विनोद रस्तोगी संस्थान), राकेश वर्मा, सुबोध सिंह (निर्देशक संगम संस्थान)गुरुविन्दर सिंह, आलोक नायर (निर्देशक द थर्ड बेल संस्थान), ऋतिका (निर्देशिका आरंभ संस्थान), डॉ आयना बोस चटर्जी (आकाशवाणी शास्त्रीय गायिका), राकेश वर्मा (निर्देशक समयांतर संस्थान) इत्यादि के गणमान्य कलाकारों ने अलौकिक अखंड मानस पाठ संपन्न किया।

गोविंदपुरी–कानपुर–फतेहपुर खण्ड पर चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

शहर समता। प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में विविध अभियान चला रहा है । प्रयागराज मण्डल सभी यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ बिना टिकट और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों

में टिकट चेकिंग अभियान चलाये जाते हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 16.04.2025 गोविंदपुरी–कानपुर–फतेहपुर खण्ड पर वाणिज्य निरीक्षक, श्री महेंद्र गुप्ता के सुपरविजन में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया । इस जांच अभियान में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, अवैध वेंडिंग, गंदगी फैलाने वालों, धूम्रपान एवं अनबुक्ड लगेज वालों पर जुर्माना लगाया गया । इस जांच अभियान मे गाड़ी संख्या 22583 छपरा–लोकमान्य तिलक अंत्योदय सुपरफास्ट एवं गाड़ी संख्या 14118 भिवानी– प्रयागराज एक्सप्रेस की सघन जांच की गयी । इस जांच अभियान में कुल 61 यात्रियों को प्रभारित कर 40,500/– रूपए जुर्माना वसूल किया गया द्य इसमें 56 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रभारित कर 39,000/– रूपए एवं गंदगी फैलाने वाले 05 यात्रियों को प्रभारित कर से 1500/– रूपए का जुर्माना वसूल किया गया। रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएँ, कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें द्य रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है उपरोक्त जानकारी अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे ने दी।

सम्पादकीय.....

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन–शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन–प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ–हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन–चौन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहां राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा। निश्चित रूप से आगे की राह कठिन है, लेकिन उसका मुकाबला व्यक्तिगत अहंकार व राजनीतिक स्वार्थों को त्यागने से होगा।

अंबेडकर के प्रति मोदी की श्रद्धा

डॉ. दीपक पाचपोर

कांग्रेस के प्रति अपनी भड़ास को निचले स्तर तक ले जाते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों को हमेशा दोयम दर्जे का नागरिक समझा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की तरह नरेन्द्र मोदी की जो विचारधारा विकसित हुई है, उसके तहत जिनके प्रति सर्वाधिक नफरत करना सिखाया गया है, उनमें महात्मा गांधी तथा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर रहे हैं जिनकी सोमवार को देश भर में जयंती मनाई गई। वैसे तो पीएम होने के नाते उन्हें उन सभी राष्ट्र निर्माताओं को उनके जीवन की महत्वपूर्ण तिथियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने होते हैं क्योंकि वे जिस पद पर आसीन हैं, यह शिष्टाचार उनके कर्तव्य निर्वहन के अंतर्गत होता है– फिर चाहे उन महामानवों के विचारों से उनकी पटरी बैठे या न बैठे। समझदार तो वे होते हैं जो विपरीत विचारों की शख्सियतों को माल्यार्पण आदि कर अपने उत्तरदायित्व की खानापूरी कर लेते हैं। मोदीजी ने बाबासाहेब की 135वीं जयंती पर उनके योगदान स्वरूप जो बातें कहीं, उसमें विरोधाभासों व विसंगतियों की भरमार थी–हमेशा की भांति। यह बात एक बार फिर से यह साबित हुई कि मोदी हर अवसर को विपक्ष, खासकर कांग्रेस को कोसने तथा खुद की वाहवाही करने से ज्यादा कुछ नहीं मानते, जो हास्यास्पद है, दुर्भाग्यजनक भी। प्रधानमंत्री पद की गरिमा व प्रतिष्ठा के प्रतिकूल तो है ही। वैसे यह मोदी के लिये बड़ी बात नहीं है। सोमवार की सुबह मोदी संसद के भीतर श्रद्धांजलि का औपचारिक कार्यक्रम पूरा करने के बाद, जिसमें तमाम प्रमुख शख्सियतें मौजूद थीं, हरियाणा के हिसार पहुंच गये जहां इस अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया था। अपनी चिर–परिचित शैली में प्रधानमंत्री ने इस शहर के साथ अपने पुराने सम्बन्धों का जिक्र किया। उन्होंने अंबेडकर के जीवन–संघर्ष का उल्लेख करते हुए बतलाया बाबासाहेब का संदेश ही उनकी 11 वर्षीय सरकार की यात्रा का प्रेरणा–स्तंभ है। अंबेडकर के प्रति अपनी कटिबद्धता को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए पीएम ने दावा किया कि उनकी सरकार का हर दिन, हर फैसला, हर नीति डॉ. अंबेडकर को समर्पित रहा। वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं के जीवन में बदलाव लाकर उनके सपनों को पूरा करना उन्होंने अपनी सरकार का मकसद बतलाते हुए कहा कि उनका निरंतर व तेज विकास ही भाजपा सरकार का मंत्र है। चूंकि सोमवार को ही हिसार–अयोध्या हवाई सेवा शुरु हुई, तो मोदी ने अपने उस वादे का जिक्र किया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। उनका दावा था कि देश में आज यह होता हुआ सब देख रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा–जब तक बाबासाहेब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। दो बार चुनाव हरवाया तथा उनकी यादें मिटाने की कोशिशें कीं। मोदी के अनुसार कांग्रेस अंबेडकर के विचारों को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहती थी। पीएम ने डॉ. अंबेडकर को संविधान का संरक्षक और कांग्रेस को उसका भक्षक बतलाया। कांग्रेस के प्रति अपनी भड़ास को निचले स्तर तक ले जाते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों को हमेशा दोयम दर्जे का नागरिक समझा। उनके मुताबिक कांग्रेसी नेताओं के घरों में स्विमिंग पूल होते थे तथा गांवों में प्रति सैकड़ा केवल 16 घरों में ही पाइप से पानी पहुंचता था। इससे ये वर्ग ही सबसे ज्यादा प्रभावित थे। वक्फ कानून को लेकर भी मोदी कांग्रेस पर बरसे तथा इसे कट्टरपंथियों को खुश करने का साधन बतलाया जबकि बाकी समाज बेहाल, अशिक्षित व गरीब रहा। प्रधानमंत्री ने 'कांग्रेस की कुनीति का सबसे बड़ा प्रमाण वक्फ कानून' बतलाया। अपने निशाने पर उन्होंने कर्नाटक सरकार को भी लिया व आरोप लगाया कि उसने अनु. जाति–जनजाति और ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया। नये वक्फ कानून को उन्होंने गरीब और पसमांदा मुस्लिमों, महिलाओं, खासकर विधवाओं, बच्चों आदि के लिये लाभप्रद बताया। इसे ही पीएम ने श्असली सामाजिक न्यायश बतलाया। वैसे उनका कांग्रेस से सवाल करना कहीं अधिक मजेदार है कि पार्टी का अध्यक्ष मुस्लिम क्यों नहीं है? यदि अध्यक्ष ही हितैषी होने का पैमाना है तो मानना होगा कि कांग्रेस दलित हितैषी तो है क्योंकि मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। भाजपा को अपना अध्यक्ष किसी मुस्लिम को बनाकर बतलाना चाहिये कि वह मुस्लिमों की हितैषी है। जो भी व्यक्ति मोदी के शासनकाल को ध्यान से देख रहा है वह जानता है कि मोदी की उपरोक्त बातों में कितनी सच्चाई है। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज की सुविधा पहले ही अन्य जुमलों की तरह एक सुपर फ्लॉप वादा साबित हो चुका है क्योंकि इन दिनों हवाई यात्रा करना उच्च मध्यवर्गीय लोगों के लिये भी सम्भव नहीं रह गया है। वक्फ पर नए कानून का देश भर में होता विरोध बतला रहा है कि मुस्लिम उसे अपने हित में कतई नहीं मान रहे हैं। वे यह भी देख रहे हैं कि केन्द्र सरकार या उसके किसी भी राज्य की सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। बहरहाल, मुख्य मुद्दे पर आयें तो यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि अंबेडकर को यदि गांधी और नेहरू का समर्थन न होता तो वे कानून मंत्री नहीं बनाये जाते। उनके बनाये संविधान के मसौदे को संविधान सभा तथा संसद में स्वीकृत कराने में नेहरू का प्रमुख योगदान था जबकि आरएसएस व हिन्दू महासभा ने इसका विरोध किया था। मोदी का अंबेडकर तथा संविधान के प्रति प्रेम दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के चलते उमड़ा है।

संघवाद की हिमायत में फैसला

राजेंद्र शर्मा

नरेंद्र मोदी के राज में राज्यपाल के पद को जिस तरह से विपक्ष–शासित राज्यों में सत्ताधारी संघ–भाजपा जोड़ी की क्षुद्र राजनीति का हथियार बनाया गया है, उस पर यकायक किसी तरह से रोक लग जाएगी, यह मानना मुश्किल है। फिर भी तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु राज्यपाल आदि मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो असाधारण फैसला सुनाया है, उसने मौजूदा निजाम में राज्यपालों की भूमिका के सवाल को एक बार फिर बहस के केंद्र में ला दिया है।न्यायाधीशगण जेबी पारदीवाला और आर माधवन के फैसले का महत्व सिर्फ इतना ही नहीं है कि पहली बार तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित ऐसे दस विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बिना ही पारित करार दे दिया गया है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के अनुसार राज्य के राज्यपाल ने श्अवैधश तरीके से सालों से रोका हुआ था। राज्यपाल की यह नकारात्मक सक्रियता इस हद तक पहुंच गयी थी कि 2023 में जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी विवाद में यह फैसला दिया था कि राज्यपाल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक अपने पास रोक कर नहीं रख सकता है और उसके पास ऐसे किसी भी विधेयक को मंजूरी देने के सिवा दो ही विकल्प थे, या तो विधेयक को नामंजूर कर के विधानसभा को लौटा दे या फिर परामर्श के लिए राष्ट्रपति को भेज दे। उस समय राज्यपाल ने बरसों से रोक कर रखे जा रहे विधेयकों को विधानसभा के दोबारा पारित कर के भेजने के बाद, उन पर मंजूरी देने के बजाए, कथित रूप से परामर्श के नाम पर राष्ट्रपति के पाले में डाल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस समूचे धतकर्म को अवैध करार देते हुए, संबंधित दस विधायकों को राज्य विधानसभा द्वारा उनके दोबारा पारित कर लौटाए जाने की तारीख से ही, पारित घोषित कर दिया है।इस फैसले का असर यह भी है कि केरल की एलडीएफ सरकार ने भी ऐसे ही मामले में, अपने राज्य के राज्यपाल द्वारा लंबे अर्से से रोक कर रखे गए, विधानसभा द्वारा पारित हुए विधेयकों को, इसी प्रकार से पारित घोषित किए जाने की मांग की है। राज्यपालों की विधानसभा की कार्यवाही में रोड़े अटकाने की अनुचित हरकतों को कटघरे में खड़ा किए जाने की यह बात निकली है, तो दूर तक जाएगी। याद रहे कि उत्तर हो या दक्षिण या पूर्व, कोई भी विपक्ष–शासित राज्य नहीं है, जहां मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपालों ने इस तरह की असंवैधानिकता नहीं की है। तमिलनाडु और केरल ही नहीं, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली आदि की सरकारें भी, ऐसी ही शिकायतों के साथ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंची थीं। इसे देखते हुए यह कहने में जरा भी अतिरंजना नहीं होगी कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, राज्यपालों के ऐसी असंवैधानिकता करने के लिए जिम्मेदार, केंद्र सरकार के मुंह पर एक करारा तमाचा है। लेकिन, जैसे इस मामले में मोदी राज की इसी संलिप्तता का परोक्ष साक्ष्य पेश करते हुए, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी हरकतों को गैर–कानूनी ठहराते हुए सुप्रीम भर्त्सना किए जाने के बावजूद, न सिर्फ राज्यपाल के पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है, वह तो राज्यपाल के पद की मर्यादाओं को मिट्टी में मिलाते हुए, हर रोज नये–नये विवाद खड़े करने में लगा हुआ है। ताजातरीन विवाद उसने मदुरै में एक सार्वजनिक शिक्षा संस्था के कार्यक्रम में छात्रों से श्श्जय श्रीरामश्श के नारे लगवा कर किया है, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सरासर असंवैधानिक आचरण है। बहरहाल, इन मामलों में केंद्र की संलिप्तता के प्रत्यक्ष साक्ष्य भी कम नहीं हैं। ऐसे ही एक साक्ष्य में केंद्र की ओर से इसके इशारे किए जा रहे हैं कि सरकार, सुप्रीम कोर्ट के उक्त फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने जा रही है। वास्तव में इस मामले में केंद्र सरकार को ही एक प्रकार से एक पक्ष बनाते हुए, देश के एडवोकेट जनरल ने इस मामले में तमिलनाडु के राज्यपाल की पैरवी की थी। तमिलनाडु के राज्यपाल के पक्ष में एडवोकेट जनरल द्वारा यह पूरी तरह से संविधानविरोधी और संघीय व्यवस्था विरोधी दलील दी गयी थी कि राज्यपाल के पास, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूर करने, नामंजूर करने या राष्ट्रपति को भेजने के सिवा एक चौथा विकल्प भी होता है, जिसे आम लोगों की भाषा में पॉकेट वीटो कहा जाता है यानी विधेयक को लिया और जेब में डालकर भूल गए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले में न सिर्फ यह स्पष्ट कर दिया गया है कि राज्यपाल को इस तरह के किसी भी वीटो का कोई अधिकार नहीं है, बल्कि यह भी साफ कर दिया गया है कि राज्यपाल को और यहां तक कि राष्ट्रपति को भी, ऐसे विधेयकों के मामले में इस समुचित समय सीमा के अंदर अपना फैसला देना होगा और यह समय सीमा एक महीने से लेकर तीन महीने तक की है। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तरफ से तो राज्यपाल द्वारा राज्य विधानसभा के निर्णय के रूप में, राज्य की जनता की इच्छा का रास्ता रोके जाने की इस बढ़ती प्रवृत्ति का रास्ता बंद ही कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट शब्दों में और बलपूर्वक इस बात को कहा गया है कि राज्यपाल की भूमिका तो संविधान के रखवाले की है यानी उसका काम संघीय व्यवस्था का सुचारु रूप से काम करना सुनिश्चित करने में मदद करना है। उसकी भूमिका किसी भी तरह से राजनीतिक खिलाड़ी की नहीं है और विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की तो हर्गिज–हर्गिज नहीं है। कहने की जरूरत नहीं है कि मोदी राज में विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपालों को, विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की ठीक ऐसी ही भूमिका में घटा दिया गया है। अव्वल तो राज्यपालों की नियुक्ति ही इन अपेक्षाओं के आधार पर ही की जा रही है और अगर कोई कमी रह जाती है, तो केंद्र के निर्देशों से उन्हें संघ–निर्देशित रास्ते पर ले आया जाता है। बेशक, हमारे देश में संघीय व्यवस्था के संदर्भ में, राज्यपालों के पद का केंद्र की राजनीतिक इच्छा के हिसाब से दुरुपयोग किए जाने का इतिहास, मोदी राज से कहीं पुराना है। तरह–तरह के बहानों से निर्वाचित राज्य सरकारों को गिरानेध्हटाने के लिए राज्यपाल के पद का इतनी बार दुरुपयोग हुआ है कि न सिर्फ इस पद की भूमिका पर कई आयोगोंध कमेटियों द्वारा रोक–टोक करने वाली टिप्पणियां की गयी हैं तथा शर्तें लगायी गयी हैं, वास्तव में अनेक हलकों से इस पद की ही जरूरत पर भी सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है कि मोदी राज में इन प्रवृत्तियों को एक नयी ही ऊंचाई पर पहुंचा दिया गया है और राज्यपालों को विपक्षी सरकार के खिलाफ इस हद तक तथा इतनी नंगई से सत्ताधारी पार्टी के सक्रिय एजेंटों में तब्दील किया गया है, जैसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था। इस खेल की नंगई को समझने के लिए एक तथ्य की ओर ध्यान दिलाना ही काफी होगा। तमिलनाडु विधानसभा के जिन विधेयकों को राज्यपाल रवि ने अनंतकाल तक रोके रखने की कोशिश की थी और जिन्हें अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कानून बना दिया गया गया है, उनमें उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित विधेयक भी शामिल हैं, जो राज्य विश्वविद्यालयों के चांसलर का पद राज्यपाल से लेकर, निर्वाचित सरकार को सौंपने का प्रयास करते हैं। मोदी राज में संघ–भाजपा द्वारा राज्यपालों को माध्यम बनाकर, जिस तरह राज्य विश्वविद्यालयों पर ही कब्जा करने का अभियान छेड़ा गया है, उसके सामने तमिलनाडु ही नहीं केरल, पश्चिम बंगाल आदि अन्य अनेक विपक्ष–शासित राज्यों को भी, राज्यपाल को पदेन चांसलर के पद से हटाने का रास्ता अपनाना पड़ा है। लेकिन, मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपाल, इसके सीधे उनके अपने हितों से जुड़ा मामला होने के बावजूद, विधानसभाओं द्वारा पारित इन विधेयकों को भी दबा कर बैठे रहे हैं। बेशक, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों का रोक कर रखा जाना, विपक्षी सरकारों के खिलाफ राज्यपाल के पद के दुरुपयोग का एकमात्र हथियार नहीं है। लेकिन, यह संघीय व्यवस्था की जड़ पर ही प्रहार करने वाला ऐसा अतिवादी हथियार जरूर है, जिसकी असंवैधानिकता सुप्रीम कोर्ट की छन्नी से बचकर नहीं निकल पायी है। इससे मौजूदा शासन की बढ़ती संघवादविरोधी प्रवृत्ति पर कुछ अंकुश लगने की उम्मीद तो की ही जा सकती है।

लोकसभा परिसीमनः लोकतंत्र की मजबूती या क्षेत्रीय तनाव का नया दौर?

अरुण कुमार डनायक

भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने–नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी। इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसद हैं, जबकि दिल्ली–मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है। मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20–25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे। यदि यह फायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है। परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040–50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये। पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं। दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है। कई बार विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा या जनता की राय लिए जल्दबाजी में पारित कर दिया जाता है, जिससे अपर्याप्त या दोषपूर्ण कानून बनते हैं। विधायिका के भीतर मंत्री परिषद की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तंत्र की कमी है। लोकसभा सीटों का परिसीमन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने की संभावना के साथ–साथ क्षेत्रीय असंतुलन और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ जैसे जोखिम भी जुड़े हैं। अधिक सांसदों से स्थानीय मुद्दों पर ध्यान बढ़ सकता है, लेकिन संसद की कार्यक्षमता, क्षेत्रीय तनाव और वित्तीय लागत जैसे नुकसान इसे विवादास्पद बनाते हैं। वर्तमान संसदीय व्यवस्था में व्याप्त कमियों– जैसे सत्रों की कमी, हंगामा, अपर्याप्त बहस और जवाबदेही के अभाव को देखते हुए केवल सीटों की संख्या बढ़ाना समाधान नहीं है। भारत की विविधता और सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए, परिसीमन से पहले व्यापक सहमति, पारदर्शी जनगणना, और संसदीय सुधारों पर जोर देना जरूरी है। इसके बजाय, संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में करना अधिक लाभकारी होगा। आज भारत को केवल एक विशाल संसद की नहीं, अपितु सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आवश्यकता है। हमें गांधीजी के लोकतांत्रिक आदर्शों को हृदयंगम करना होगा, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को मिटाया जा सके। सुसंस्कृत प्रतिनिधित्व और दूरदर्शी नीतिगत हस्तक्षेप के माध्यम से राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता एवं समाजसेवी हैं)

जैसे मेरी मां पापा के साथ खड़ी रहीं, वैसे ही मेरी पत्नी..बॉबी देओल ने वाइफ तान्या को बताया अपनी सबसे बड़ी ताकत

> बॉबी देओल ने कहा, ये सिर्फ मेरे डैड का कॉन्ट्रिब्यूशन नहीं था। इसमें मेरी मां और मेरी दादी का कॉन्ट्रिब्यूशन था और मेरी शादी के बाद मेरी पत्नी का। वो मेरे मुश्किल समय में मेरे साथ खड़ी रही। ये ऐसे था जैसे मेरी मां मेरे पापा के साथ खड़ी रहीं।

आश्रम वेब सीरीज के बाबा निराला उर्फ एक्टर बॉबी देओल अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। वह अक्सर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में एक बातचीत में बॉबी देओल ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कई अहम बातें शेयर कीं। बॉबी देओल ने कहा, ये सिर्फ मेरे डैड का कॉन्ट्रिब्यूशन नहीं था। इसमें मेरी मां और मेरी दादी का कॉन्ट्रिब्यूशन था और मेरी शादी के बाद मेरी पत्नी का। वो मेरे मुश्किल समय में मेरे साथ खड़ी रही। ये ऐसे था जैसे मेरी मां मेरे पापा के साथ खड़ी रहीं। एक्टर ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत बताते हुए कहा, मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरी पत्नी तान्या है। उसे मुझ पर विश्वास था और उसने मुझसे हमेशा कहा कि मैं स्पेशल हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है मेरे पापा अपनी मर्जी के मुताबिक जिंदगी जिए हैं. थ्तंदा पदंजतं का गाना है न कि मैंने अपने तरीके से किया, ये मुझ पर सूट करता है। मेरे पापा भी ऐसे ही हैं। बॉबी देओल ने बताया कि जब उन्होंने करियर की शुरुआत की तो वो कभी भी लोगों से ऐसे नहीं मिलते थे जैसे कि स्टार्स किसी से मिलते हैं। वो इंसान की तरह उनसे मिलते थे। वो उनसे कनेक्ट करते थे। उन्होंने कई लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं।यही कारण हैं कि पापा के लिए आज भी प्यार लोगों के दिलों में हैं। वर्क फ्रंट की बात करें को बॉबी देओल को पिछले कुछ दो वर्षो में वेब सीरीज आश्रम और फिल्म एनिमल से काफी फेम मिला। आश्रम सीरीज में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया।

सागरिका घाटगे और ज़हीर खान बने मम्मी–पापा, बेटे का नाम है– हिंदू–मुस्लिम की एकता के प्रतीक!

क्रिकेटर ज़हीर खान और उनकी अभिनेत्री पत्नी सागरिका घाटगे एक बेटे के माता–पिता बन गए हैं। बुधवार को, सागरिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की और बच्चे के आने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने बेटे का नाम फ़तेहसिंह खान रखा है। सागरिका ने एक तस्वीर भी पोस्ट की जिसमें ज़हीर अपने बच्चे को गोद में लिए हुए नज़र आ रहे हैं और सागरिका भी उनके बगल में खड़ी हैं। चक दे इंडिया की अदाकारा सागरिका घाटगे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान ने बुधवार को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। कपल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके बेटे की झलक दिखाई दे रही है। एक तस्वीर में कपल पोज देते नजर आ रहे हैं और जहीर खान अपने बेटे को गोद में लिए हुए हैं। दूसरी तस्वीर में बच्चा और माता–पिता के हाथ दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए कपल ने कैप्शन में लिखा– ष्प्यार, आभार और ईश्वरीय आशीर्वाद के साथ हम अपने प्यारे नन्हे बच्चे फतेहसिंह खान का स्वागत करते हैं। इस जोड़े द्वारा यह खुशखबरी दिए जाने के बाद, कमेंट सेक्शन में बधाई संदेशों की बारिश हो गई। अंगद बेदी ने लिखा, ष्वाहेगुरु।ष हरभजन सिंह ने लिखा, ष्आप दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे।ष प्रज्ञा कपूर ने लिखा, ष्बधाई।ष सागरिका घाटगे और ज़हीर खान ने 2016 में युवराज सिंह और हेज़ल कीच सिंह की शादी के दौरान अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। सागरिका घाटगे और ज़हीर खान ने 2017 में शादी की थी। तब से वे सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। इसके अलावा, क्रिकेट और बॉलीवुड के जोड़े हमेशा प्रशंसकों के लिए खास रहे हैं। जो लोग नहीं जानते हैं, उनके लिए बता दें कि सागरिका को आखिरी बार 2020 की फ़िल्म फुटफ़ारी में देखा गया था। उन्होंने शाहरुख़ ख़ान की 2007 की स्पोर्ट्स ड्रामा चक दे घ्इंडिया से अपने अभिनय की शुरुआत की। सागरिका, जिन्हें चक दे! इंडिया में प्रीति सभरवाल के रूप में सबसे ज़्यादा याद किया जाता है, ने अपनी प्रेम कहानी के बारे में बताया और बताया कि क्या उनके परिवारों के लिए धर्म कभी चिंता का विषय रहा है। नहीं, वास्तव में नहीं। यह हमारे आस–पास के अन्य लोगों के बारे में बातचीत करने के बारे में अधिक था। मेरे माता–पिता बहुत प्रगतिशील हैं, उन्होंने हाउटरफ़्लाई को बताया और फिर कहा, ष्बेशक, चीजों पर चर्चा हुई, लेकिन मेरे लिए, प्राथमिकता मेरे जीवन को साझा करने के लिए सही इंसान को ढूंढना था।

इस एक्ट्रेस ने इंडियन एयरफोर्स अफसर के साथ की सगाई, आइवरी कलर के लहंगे में दिखी बेहद खूबसूरत

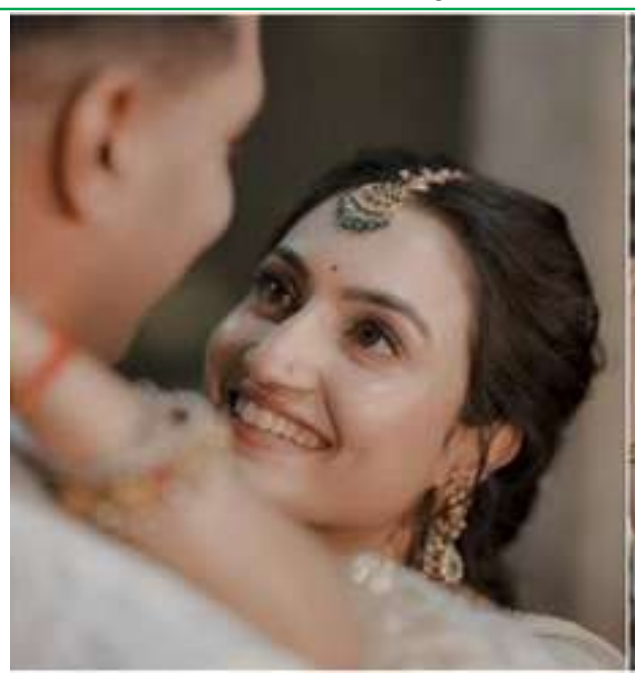

टीवी इंडस्ट्री से एक प्यारी और खुशी भरी खबर सामने आई है। कन्नड़ टीवी की जानी–मानी अभिनेत्री वैष्णवी गौड़ा ने भारतीय वायुसेना के अधिकारी अनुकूल मिश्रा से सगाई कर ली है। इस खास मौके की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। वैष्णवी गौड़ा ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सगाई की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं और एक–दूसरे के साथ खूबसूरत पल बिता रहे हैं। तस्वीरों में दोनों का अंदाज बेहद क्यूट और रोमांटिक लग रहा है। पहली फोटो में वैष्णवी और अनुकूल एक–दूसरे को देखकर चल रहे हैं और प्यारा पोज दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में उनकी रिंग सेरेमनी और आउटफिट्स की झलक देखने को मिलती है। तीसरी फोटो में कपल बारिश के बीच छाते के नीचे पोज दे रहा है। चौथी फोटो ब्लैक एंड व्हाइट है, जिसमें दोनों का एक खास मोमेंट कैद किया गया है। पांचवी फोटो में वैष्णवी मुस्कुराती हुई पोज देती नजर आ रही हैं। छठवीं और सातवीं फोटो में अनुकूल, वैष्णवी को किस करते हुए दिख रहे हैं, और दोनों एक–दूसरे को गले लगाए हुए हैं। इसके बाद की तस्वीरों में दोनों कुछ खाते हुए और एक–दूसरे की ओर देख कर पोज देते हुए नजर आते हैं। इस खास मौके पर वैष्णवी ने आइवरी कलर का खूबसूरत लहंगा पहना था। उनके लुक को और भी खास बनाया ग्रीन कलर की ज्वैलरी ने, जो उनके आउटफिट के साथ बेहद खूबसूरत लग रही थी। वहीं अनुकूल मिश्रा ने भी आइवरी कलर की शेरवानी पहन रखी थी, जिसमें वो बहुत हैंडसम नजर आए। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स वैष्णवी और अनुकूल की जोड़ी को खूब पसंद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर इनकी तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। लोग इस जोड़ी को बधाई दे रहे हैं और उनके नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। हालांकि अभी तक कपल की शादी की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन सगाई के बाद फैंस अब उनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही कपल अपनी शादी की डेट की जानकारी भी साझा करेगा।

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात में पाया गया, निकला मानसिक रोगी

> पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के २४ घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है। पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी २६ वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है।

अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है। पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, जिसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अभिनेता के गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वडोदरा जिला पुलिस एसपी रोहन आनंद ने बताया, तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करते हुए हमने मयंक पांड्या को उसके घर से ट्रैक किया। चूंकि वह मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा है, इसलिए हमने उसे नोटिस भेजा है और जांच में शामिल होने को कहा है। हमने मयंक पांड्या के मोबाइल फोन और व्यवहार पर नजर रखी तो जांच में पाया कि वह मानसिक रूप से बहुत स्वस्थ नहीं है और उपचार करवा रहा है। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहता है और लोकप्रियता पाने की उसकी चाह है। इसके लिए उसने यह काम किया। मुंबई पुलिस ने पूछताछ के लिए समन भेज दिया है। गौरतलब है कि सलमान खान को पहले भी कई बार धमकी मिल चुकी है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया था कि उनकी हिट लिस्ट में सलमान खान भी थे। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े शूटर्स मुंबई में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट पर कई बार रेकी कर चुके थे। हालांकि, कड़ी सुरक्षा की वजह से वे अपने मकसद में नाकाम रहे। पिछले साल अप्रैल में सलमान खान के घर 5 राउंड फायरिंग की गई थी, जिसके कुछ महीने बाद सलमान के करीबी और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या भी कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा था कि उसके जीवन का एकमात्र लक्ष्य सलमान खान को जान से मारना है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने पिछले साल 12 नवंबर को सलमान खान को धमकी भरे मैसेज भेजने के आरोप में 24 वर्षीय एक व्यक्ति को कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया था कि आरोपी का नाम सोहेल पाशा है। पिछले साल सलमान खान के घर के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सलमान खान की उस बालकनी पर खास तौर पर बुलेट प्रूफ ग्लास लगाया गया, जहां से वह अपने प्रशंसकों का अभिवादन करते हैं। गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर भी हाई सिक्योरिटी तैनात की गई है।

2027 में एक और खिचड़ी..फिल्म खिचड़ी 3 का हो गया एलान, जानें कब रिलीज होगी फिल्म

खिचड़ी सबसे ज्यादा पसंद करने वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। इसे पहले टीवी सीरियल के रूप में टेलीकास्ट किया गया था जो लोगों को बहुत भाया था। इसके बाद खिचड़ी की दो मूवी भी रिलीज की गई। इसके कैरेक्टर्स आज भी लोगों के फेवरेट हैं। वहीं फराह खान के व्लॉग में मूवी की कास्ट ने इसकी तीसरे पार्ट पर मुहर लगा दी है। फिल्म के निर्माता जे.डी. मजीठिया ने इसका ऐलान किया है। दरअसल, फिल्म डायरेक्टर फराह खान ने अपने घर पर 'खिचड़ी' की टीम को इनवाइट किया। फराह ने इसका व्लॉग अपने यूट्यूब चौनल पर शेयर भी किया। यहां 'खिचड़ी' कलाकारों ने मूवी से जुड़ी अपनी यादें भी शेयर की। इस दौरान जे.डी. मजीठिया ने कहा, श्हम लोग 2027 में एक और खिचड़ी बनाएंगे। खिचड़ी 3।श उन्होंने आगे कहा कि साल 2002 में टीवी सीरियल के रूप में शुरू हुई फ्रेंचाइजी साल 2027 में आइकॉनिग शो के 25 साल पूरे करेगी। इसी के साथ उनके प्रोडक्शन हाउस के भी इतने साल पूरे होंगे। ऐसे में वे एक जबर्दस्त पिक्चर बनाने की तैयारी में हैं। बता दें मूवी में जे.डी. मजीठिया ने हिमांशु का किरदार निभाया है जो काफी फेमस हुआ। वहीं हंसा का किरदार निभाने वाली सुप्रिया पाठक भी काफी चेंज हो गई हैं। बापूजी का किरदार निभाने वाले अनंग देसाई भी इस दौरान मौजूद रहे हालांकि उनके लुक में भी थोड़े बहुत चेंज दिखाई दिए।'खिचड़ी का पहला पार्ट साल 2010 में रिलीज किया गया था। वहीं लोगों को ये काफी पसंद आया था। इसका दूसरा पार्ट साल 2023 में रिलीज किया गया। वहीं अब फैंस को तीसरे पार्ट का भी बेसब्री से इंतजार है।

मथुरा के आसपास स्थित इन रोमांटिक जगहों पर पार्टनर के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम, वीकेंड पर बनाएं प्लान

मथुरा उत्तर प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। मथुरा दिल्ली–एनसीआर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। मथुरा को भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के नाम से भी जाना जाता है। यमुना नदी के किनारे बसे इस धार्मिक शहर में ऐसी कई पवित्र और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जहां पर देश के अलग–अलग कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। वहीं मथुरा में जब कपल्स के घूमने के लिए रोमांटिक जगहों की बात होती है, तो ऐसी बहुत कम जगहें हैं। इसलिए मथुरा का तमाम कपल्स आसपास की जगहों पर ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मथुरा से करीब 150 किमी के आसपास मौजूद कुछ ऐसी रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूम सकते हैं और क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

भरतपुर

अगर आप मथुरा के आसपास स्थित किसी ऐतिहासिक जगह को पार्टनर के साथ एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो कई लोग सबसे पहले भरतपुर पहुंचते हैं। यह राजस्थान का एक ऐसा ऐतिहासिक शहर है, जो अपने शाही मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता है। अगर आप मथुरा से भरतपुर के लिए सुबह–सुबह निकलते हैं, तो शाम तक आराम से वापस आ सकते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर महल और लोहागढ़ किला आदि जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप अपने पार्टनर के साथ केवलादेव नेशनल पार्क में जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

वैसे तो मथुरा के आसपास कई ऐसी विश्व प्रसिद्ध रोमांटिक जगहें हैं, जहां पर कपल्स घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से आप आगरा घूमने के लिए जा सकते हैं। क्योंकि प्यार की निशानी श्ताजमहलश आगरा में स्थित है। सिर्फ मथुरा ही नहीं बल्कि आसपास के अन्य कई शहरों से भी लोग आगरा घूमने के लिए आते हैं। यहां पर आप घूमने के लिए क्वालिटी टाइस स्पेंड कर सकते हैं। आगरा में आप ताजमहल के साथ अन्य कई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप बुलंद दरवाजा, मेहताब बाग, अकबर का मकबरा, आगरा फोर्ट और फतेहपुर सीकरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। आगरा में आप अपने पार्टनर के साथ स्वादिष्ट डिशेज का स्वाद चख सकते हैं।

धौलपुर

राजस्थान का प्रमुख और खूबसूरत शहर धौलपुर अपने इतिहास के साथ कई अन्य बेहतरीन चीजों के लिए जाना जाता है। धौलपुर लाल रंग के सैंडस्टोन के लिए पूरे भारत में फेमस है। कपल्स के लिए यह एक रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। खासतौर, यह जगह उन कपल्स के लिए बेहद खास है, जो अपने पार्टनर के साथ शांत वातावरण में समय बिताना चाहते हैं। मथुरा से कई कपल्स यहां पर घूमने के लिए आते हैं। धौलपुर में आप शेरगढ़ फोर्ट, तालाब–ए–शाही, खानपुर महल, रामसागर अभयारण्य और धौलपुर पैलेस जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप रामसागर अभ्यारण्य में जंगल सफारी का भी मजा ले सकते हैं।

अलवर

मथुरा के आसपास अलवर भी एक ऐसी जगह है, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं। यह राजस्थान का एक बेहद खूबसूरत शहर है, जहां पर दिल्ली–एनसीआर वाले घूमने के लिए पहुंचते हैं। अलवर में आप अपने पार्टनर के साथ सिलीसेढ़ झील, सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान, कांकवाडी किला और बाला किला जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान में आप पार्टनर के साथ जंगल सफारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

इस बीमारी से 30 लाख से ज्यादा बच्चों की हुई मौत, एंटीबायोटिक दवा भी इस पर है बेअसर

एक नए ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला है कि 2022 में दुनिया भर में तीन मिलियन से अधिक बच्चों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से संबंधित संक्रमणों के कारण अपनी जान गंवा दी है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि अकेले 2022 में दक्षिण पूर्व एशिया में 752,000 से अधिक बच्चे और अफ्रीका में 659,000 बच्चे मर गए। इन बच्चों को मुख्य रूप से इंफेक्शन से संबंधित बीमारियां लगी थी लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं ने काम करना बंद कर दिया जिसके कारण इतने सारे बच्चों की मौत हो गई।

कोविड के बाद बदले हालात

एएमआर बच्चों के लिए एक गंभीर खतरा है, जो संक्रमणों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। उत्पाद विकास में देरी के कारण बच्चों के लिए नए एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन तक पहुंच अक्सर बहुत सीमित होती है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि इनमें से कई मौतें वॉच एंटीबायोटिक्स (प्रतिरोध के उच्च जोखिम वाली दवाएं) और रिजर्व एंटीबायोटिक्स (गंभीर, बहु–दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के लिए अंतिम उपाय) के उपयोग से जुड़ी थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले केवल तीन वर्षों में बच्चों में एंटीमायक्रोबियल रेजिस्टेंस से जुड़े संक्रमणों में दस गुना से अधिक वृद्धि हुई है, कोविड महामारी के प्रभाव ने इस स्थिति को और भी बदतर बना दिया हो सकता है

एएमआर बच्चों के लिए कितना बड़ा खतरा है?

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का मतलब होता है– जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस या परजीवी जैसे सूक्ष्म जीव दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। यानी, दवाएं उन्हें मारने में असफल हो जाती हैं। यह स्थिति बच्चों के लिए खासतौर पर खतरनाक हो सकती है, क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता। डब्लयूएचओ के अनुसार, यदि ।डत को नियंत्रित नहीं किया गया तो 2050 तक हर साल 1 करोड़ लोगों की मृत्यु हो सकती है, जिनमें एक बड़ा हिस्सा बच्चे होंगे।

बच्चों के लिए एएमआर क्यों है खतरनाक?

छोटे बच्चों को अक्सर सर्दी, खांसी, डायरिया, कान का संक्रमण आदि होते हैं। अगर आम एंटीबायोटिक काम न करें, तो इलाज मुश्किल हो जाता है। जब हल्की दवाएं असर नहीं करतीं, तो डॉक्टरों को ज्यादा मजबूत और साइड–इफेक्ट वाली दवाएं देनी पड़ती हैं, जो बच्चों के शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं एक आम संक्रमण अगर दवा से न ठीक हो, तो बच्चे को अस्पताल में भर्ती करना पड़ सकता है, इससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। जन्म के बाद अगर नवजात को इन्फेक्शन हो और दवाएं असर न करें, तो सेप्सिस (रक्त संक्रमण) जैसी जानलेवा स्थिति बन सकती है।

एएमआर के कारण क्या हैं?

–बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक देना।

–दवा का पूरा कोर्स पूरा न करना

–पशुओं में दवाओं का अत्यधिक उपयोग (दूधध्मांस के जरिए इंसान तक पहुंचता है)

–गंदा पानी और खराब स्वच्छता व्यवस्था।

–गलत डायग्नोसिस और ओवर–प्रेस्क्रिप्शन।

एंटीबायोटिक्स का क्यों नहीं हो रहा असर

इसके विपरीत, एक्सेस एंटीबायोटिक्स वे हैं जो अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और प्रतिरोध बढ़ाने की उनकी कम क्षमता के कारण आम संक्रमणों के इलाज के लिए उपयोग किए जाते हैं। 2019 और 2021 के बीच, वॉच एंटीबायोटिक्स का उपयोग दक्षिण पूर्व एशिया में 160 प्रतिशत और अफ्रीका में 126 प्रतिशत बढ़ा। वैश्विक स्तर पर, 3 मिलियन से अधिक बच्चों की मृत्यु में से 2 मिलियन वॉच और रिजर्व एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग से जुड़ी थीं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एएमआर की गंभीरता में कई कारक योगदान करते हैं, जिसमें भीड़भाड़ वाले अस्पताल, खराब स्वच्छता और कमजोर संक्रमण रोकथाम उपाय शामिल हैं जो स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स और समुदायों के भीतर प्रतिरोधी रोगजनकों के प्रसार को सुविधाजनक बनाते हैं।

याददाश्त हो रही कमजोर? इस विटामिन की कमी से बन सकते हैं भूलने की बीमारी के शिकार

क्या आप जानते हैं कि विटामिन्स की कमी न केवल आपकी फिजिकल हेल्थ बल्कि मेंटल हेल्थ पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है? अगर आप चीजों को भूलने लगे हैं, लोगों के नाम याद नहीं रहते या किसी बात को याद रखना मुश्किल हो रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी विटामिन की कमी है। आइए, कौन से विटामिन की कमी से याददाश्त होती है कमजोर।

ये है वो विटामिन

विटामिन बी12 का हमारे शरीर में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह हमारे ब्रेन और नर्वस सिस्टम की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। विटामिन बी12 की कमी से न केवल शारीरिक कमजोरी होती है बल्कि मानसिक स्थिति पर भी इसका असर पड़ता है, जैसे कि याददाश्त में कमी, ध्यान केंद्रित करने में समस्या और मानसिक थकावट।

विटामिन बी12 की कमी के लक्षण

याददाश्त में कमीः अगर आप चीजों को भूलने लगे हैं, तो यह विटामिन बी12 की कमी का संकेत हो सकता है।

ध्यान केंद्रित करने में समस्याः ध्यान लगाने में कठिनाई या मानसिक थकावट महसूस होना।

फोकस न कर पानाः काम पर ध्यान नहीं लगाना या किसी चीज को पूरी तरह से समझने में कठिनाई होना।

थकान और कमजोरीः शरीर में लगातार थकावट महसूस होना, जो आराम करने के बाद भी ठीक न हो।

हाथ–पैर में झुनझुनीः खासकर हाथों और पैरों में झुनझुनी या सुन्न महसूस होना।

सांस लेने में कठिनाईः शारीरिक गतिविधि करते समय सांस चढ़ना या सांस लेने में दिक्कत होना।

मूड स्विंग्सः अचानक मूड में बदलाव आना, जैसे डिप्रेशन या चिड़चिड़ापन महसूस होना।

विटामिन बी12 की कमी का इलाज

अगर आपको लगता है कि आपके शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो सकती है, तो आपको इसे जल्द से जल्द सही करने की कोशिश करनी चाहिए। आप विटामिन बी12 से भरपूर भोजन और सप्लीमेंट्स का सेवन कर सकते हैं। विटामिन बी12 के प्रमुख स्रोतों में शामिल हैं मांसाहारी भोजन मांस, मुर्गा, मछली, अंडे, डेरी उत्पाद दूध, दही, पनीर, विटामिन बी12 सप्लीमेंट्स, अगर आपको अपनी डाइट से पर्याप्त विटामिन बी12 नहीं मिल रहा, तो डॉक्टर के निर्देश पर सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं।

डॉक्टर से संपर्क करें

अगर आपको ऊपर बताए गए लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो विटामिन बी12 की कमी की संभावना को नजरअंदाज न करें। आपको तुरंत अपना चेकअप करवा लेना चाहिए ताकि सही इलाज और आहार की योजना बनाई जा सके। विटामिन बी12 की कमी को समय पर ठीक कर लिया जाए, तो आप अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत को बेहतर बना सकते हैं। विटामिन बी12 की कमी का समय रहते इलाज करना जरूरी है क्योंकि यह न केवल आपकी शारीरिक बल्कि मानसिक सेहत को भी प्रभावित कर सकता है।

चाय-कॉफी के जिद्दी दागों को हटाने के लिए बनाएं होममेड क्लीनर, चुटकियों में साफ होगा गद्दा

कई बार गद्दे पर चाय, कॉफी, पसीना या फिर अन्य किसी चीज का दाग लग जाता है। ऐसे में इन जिद्दी दागों को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। इन दागों को साफ करने के लिए महंगे क्लीनिंग प्रोडकट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी यह कारगर नहीं होता है। ऐसे में आप घर में मौजूद कुछ चीजों से एक असरदार होममेड क्लीनर भी बना सकते हैं। आप घर पर बने होममेड क्लीनर की मदद से गद्दे को चमकदार, महकदार और बैक्टीरिया–फ्री बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घरेलू चीजों से बने होममेड क्लीनर बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

बेकिंग सोडा– 1 बड़ा चम्मच

नींबू का रस– 1 बड़ा चम्मच

सफेद सिरका– 1 बड़ा चम्मच

डिश साबुन– 1 चम्मच

टूथपेस्ट

ऐसे बनाएं DIY मैट्रेस क्लीनर

एक बाउल में नींबू का रस, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका मिलाएं।

इसको अच्छे से मिक्स करें और इसको अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें 1 चम्मच डिश साबुन मिला सकते हैं।

अब एक चम्मच की सहायता से इसको अच्छे से मिक्स करें और आप इसको गद्दे से दाग हटाने में काम ला सकते हैं।

गद्दे के दाग–धब्बों को ऐसे करें साफ

सबसे पहले घर पर तैयार किए गए होममेड क्लीनर वाले पेस्ट को उस जगह पर लगाएं, जहां पर दाग पड़े हैं।

फिर 10–15 मिनट तक इसको ऐसे ही लगा रहने दें।

अब एक गीले कपड़े की मदद से इसको रगड़ते हुए साफ कर लें।

अगर इसके बाद भी दाग ज्यों का त्यों बना हुआ है, तो इस पर एक्सपायरी टूथपेस्ट लगाकर ब्रश की सहायता से हल्का–हल्का रगड़ें।

वहीं इस प्रोसेस के बाद भी अगर जिद्दी दाग नहीं छूट रहा है, तो आप इस प्रोसेस को दोहरा सकते हैं।

संक्षिप्त

लग्जरी घरों की बिक्री के मामलों में दिल्ली एनसीआर नंबर 1, मुंबई से लेकर बेंगलुरु में बिके इतने घर

भारत के शीर्ष सात शहरों में अब लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की बिक्री में इजाफा देखने को मिल रहा है। वर्ष 2025 में जनवरी से मार्च के दौरान सालाना आधार पर लग्जरी घरों की बिक्री में 28 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीबीआरआई साउथ एशिया ने ये रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट की मानें तो वर्ष 2025 की पहली तिमाही में चार करोड़ से अधिक कीमत वाले लग्जरी सेगमेंट में 1930 यूनिट्स बेचे गए है। देश के टॉप शीर्ष शहरों में सबसे अधिक 950 घरों को बेचा गया है। दिल्ली एनसीआर में सबसे अधिक घर खरीदे गए है। इसके बाद लोगों ने घर खरीदने के लिए मुंबई को चुना है। कुल खरीददारी का 23 फीसदी मुंबई से था। दक्षिण भारतीय शहरों में बेंगलुरु में लग्जरी घरों की बिक्री सबसे अधिक देखी गई है। वर्ष 2025 में जनवरी से मार्च के दौरान कुल 190 लग्जरी घर बेचे गए है। इस दौरान 2024 में 20 यूनिट्स ही बिके थे। वहीं कोलकाता और चेन्नई की कुल लग्जरी सेगमेंट की हिस्सेदारी पांच फीसदी की है। रिपोर्ट की मानें तो हाई एंड सेगमेंट की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 27 फीसदी और मिड एंड सेगमेंट में हिस्सेदारी 25 फीसदी की है।

घरों की मांग में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी

रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ती आय, बढ़ती जीवनशैली और फ्यूचर रेडी लिविंग स्पेस की बढ़ती मांग को देखते हुए अब लग्जरी और हाईएंड सेगमेंट में घरों की बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट में भारतीय आवासीय बाजार 2025 में स्थिर रहने का अनुमान जताया गया है।

जेनसोल प्रमोटर्स को फंड डायवर्जन के लिए किया गया प्रतिबंधित

बाजार नियामक संस्थान सेबी ने जेनसोल प्रमोटर्स को लेकर बड़ा फैसला किया है। सेबी ने फंड की हेराफेरी और गवर्नेंस संबंधित मुद्दों को लेकर जेनसोल इंजीनियरिंग के दो प्रमोटरों के खिलाफ एक्शन लिया है। सेबी ने दोनों को अगले आदेश तक बाजार से प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा, दोनों प्रमोटरों को जेनसोल में निदेशक या किसी भी प्रमुख प्रबंधकीय पद पर काम करने से रोक दिया गया है। नियामक ने कंपनी को हाल ही में घोषित स्टॉक विभाजन को निलंबित करने का भी आदेश दिया है। सेबी ने यह भी कहा है कि जेनसोल और उससे जुड़ी पार्टियों के खातों की जांच के लिए एक फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया जाएगा। सेबी ने यह

आदेश कंपनी और उसके प्रमोटरों की जांच के बाद दिया है। जून 2024 में शेयर मूल्य में हेराफेरी और जेनसोल से फंड डायवर्जन के बारे में नियामक को शिकायतें मिलने के बाद जांच शुरू की गई थी। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया द्वारा जारी 29 पेज के अंतरिम आदेश में कहा गया है कि प्रथम दृष्टया जांच से पता चला है कि "कंपनी के प्रमोटर निदेशकों द्वारा धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से कंपनी के फंड का दुरुपयोग और डायवर्जन किया गया है३जो डायवर्ट किए गए फंड के प्रत्यक्ष लाभार्थी भी हैं"। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कंपनी ने "अपने ऋणदाताओं द्वारा कथित रूप से जारी किए गए जाली आचरण पत्र प्रस्तुत करके" सेबी, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों, ऋणदाताओं और निवेशकों को गुमराह करने का प्रयास किया था। यह अंतरिम आदेश है और मामले की विस्तृत जांच चल रही है। सेबी की जांच में पता चला है कि अनमोल और पुनीत सिंह जग्गी ने ब्लूस्मार्ट ब्रांड के तहत राइड–हेलिंग व्यवसाय के लिए इलेक्ट्रिक कार खरीदने के लिए ऋण के माध्यम से जुटाए गए धन का कुछ हिस्सा दिल्ली में एक आलीशान फ्लैट खरीदने में इस्तेमाल किया था। प्रमोटरों ने संबंधित पक्षों को भी धन मुहैया कराया था और उसका इस्तेमाल असंबंधित खर्चों के लिए किया था।

रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे मजबूत होकर 85.54 प्रति डॉलर पर

विदेशी पूंजी के बड़े पैमाने पर प्रवाह, अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे मजबूत होकर 85.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के जवाबी शुल्क से 90 दिन की राहत के बाद आए सकारात्मक वृहद आर्थिक आंकड़ों से विदेशी निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी को बढ़ावा मिला, जिससे स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.66 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 30 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.49 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.44 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 118.02 अंक की गिरावट के साथ 76,616.87 अंक पर, जबकि निफ्टी 41.10 अंक फिसलकर 23,287.45 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 6,065.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

पंजाब ने बनाया 18 सालों के आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा कीर्तिमान, युजवेंद्र चहल बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

18 सालों के आईपीएल इतिहास में पंजाब ने सबसे कम स्कोर डिफेंड करने का कीर्तिमान बना दिया। इससे पहले साल 2009 में पंजाब के सामने चेन्नई सुपर किंग्स ने 116 रनों का डिफेंड किया था। पंजाब किंग्स ने इस कीर्तिमान को तोड़ते हुए लिस्ट में अपना नाम सबसे ऊपर दर्ज करा दिया।

आईपीएल 2025 में जो काम कोई अन्य टीम नहीं कर पाई, उसे पंजाब किंग्स ने कर दिया। पंजाब ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो बड़ी–बड़ी टीमों ने नहीं किया। कम स्कोर के बाद पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने करिश्मा कर दिया और केकेआर को धांसू अंदाज में पटखनी दे डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स 111 रन के कुल स्कोर पर आउट हो गई। इसके बाद पंजाब किंग्स के गेंदबाजों में कमाल करते हुए केकेआर के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने नहीं दिया और एक–एक करके टीम को महज 95 रन पर समेट दिया। 18 सालों के आईपीएल इतिहास में पंजाब ने सबसे कम स्कोर डिफेंड करने का कीर्तिमान बना दिया। इससे पहले साल 2009 में पंजाब के सामने चेन्नई सुपर किंग्स ने 116 रनों का डिफेंड किया था। पंजाब किंग्स ने इस कीर्तिमान को तोड़ते हुए लिस्ट में अपना नाम सबसे ऊपर दर्ज करा दिया। एक समय मायूस और उदास बैठीं पंजाब कि मालकिन प्रीति जिंटा केकेआर का हर विकेट गिरने पर खुशी से उछल रही थीं और जीत के बाद स्टेडियम में ही कूदने लगीं। उनको सबसे ज्यादा खुशी हुई और होनी भी थी क्योंकि टीम ने एक नया इतिहास रच दिया था।

चहल का रिकॉर्ड प्रदर्शन

वहीं इस मुकाबले में पंजाब के स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल पंजाब किंग्स के लिए मजबूत कड़ी बने। उन्होंने एक के बाद एक करके 4 विकेट झटक

कर पंजाब की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत उन्हें मुकाबले के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही मैच के बाद पंजाब किंग्स की मालकिन अपनी खुशी को छुपा नहीं पाई और मैदान पर जाकर चहल को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए गले लगा लिया। वहीं अंक तालिका में पंजाब अब चौथे स्थान पर आ गई है। अभी तक 6 मैचों में से पंजाब ने 4 मैच में जीत हासिल की है। गुजरात, दिल्ली और आरसीबी पहले तीन स्थानों पर मौजूद हैं। केकेआर की टीम छठे नंबर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही मैच के बाद केकेआर कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद ली और कहा की मैंने जिम्मेदारी से बल्लेबाजी नहीं की। कप्तान होने के नाते मुझे समझकर खेलना चाहिए था। इस हार की जिम्मेदारी मैं खुद लेता हूं।

रहाणे बोले– पंजाब के खिलाफ हार के लिए मैं जिम्मेदार

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 में मंगलवार को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। केकेआर की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद पर ली है। वहीं, पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इस मुकाबले से पहले युजवेंद्र चहल को फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। उन्हें चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह खेले। चहल प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी टीम ने बहुत खराब बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, श्मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, मैंने गलत शॉट खेला था।श रहाणे युजवेंद्र चहल की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए, लेकिन मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू नहीं लेने का उनका फैसला महंगा साबित हुआ। रिप्ले में गेंद ऑफ स्टंप से बाहर निकलती दिख रही थी। रहाणे ने कहा कि वह पूरी तरह पक्का नहीं थे कि गेंद विकेट के बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा, श्वह गेंद विकेट को मिस करती, लेकिन सब कुछ वहीं से शुरू हुआ। उस समय कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। मै खुद भी पक्का नहीं था, इसलिए रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया।

रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर हार का ठीकरा फोड़ते हुए कहा, श्पिच आसान नहीं थी, लेकिन 111 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता था। बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हमने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। हमारे गेंदबाजों ने पंजाब जैसे मजबूत बल्लेबाजी यूनिट के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमने बल्लेबाजी में लापरवाही दिखायी और पूरी टीम को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहीं, मैच के बाद पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, श्हृदय गति अभी भी तेज है। मैं अब 50 साल का हूं और इस तरह के मैच देखने की आदत नहीं है। 112 का बचाव करते हुए हमने 16 रन से जीत हासिल की। मैंने पहली पारी के बाद अपने खिलाड़ियों से कहा था कि इन जैसे छोटे लक्ष्य कभी–कभी सबसे कठिन होते हैं। विकेट आसान नहीं था। गेंद रुक रुक कर आ रही थी, लेकिन चहल के बारे में क्या ही कहना! क्या गेंदबाजी स्पेल था उनका! चहल को कंधे की चोट की वजह से फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। मैं उन्हें वार्म–अप से लेकर आया और उनकी आंखों में देखकर पूछा– दोस्त क्या आप ठीक हैं? उन्होंने कहा कि कोच मैं 100 प्रतिशत ठीक हूं। मुझे खेलने दें और अब देखें क्या शानदार गेंदबाजी की उन्होंने।

पोंटिंग ने कहा, श्अगर हम यह मैच हार भी जाते तो भी हम दूसरे हाफ में जिस तरह से आगे बढ़े उस पर मुझे गर्व होता। हमारी बल्लेबाजी खराब थी, शॉट चयन और उसे खेलना, सब खराब था, लेकिन जब मैंने हमें गेंदबाजी के लिए मैदान पर उतरते हुए देखा तो मैं समझ गया था। हमें जल्दी विकेट मिले और हमने जो कमी बल्लेबाजी में छोड़ी थी, वह गेंदबाजी में नहीं दिखी। हमें विश्वास था और मैदान में पूरी ऊर्जा के साथ खेले जो देखने लायक था। इसलिए अगर हम हार भी जाते तो भी मैं उनसे कहता कि ये आत्मविश्वास बताता है कि आप इस सीजन के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि मिड इनिंग्स में दुनिया भर में बहुत सारे लोग ये मानकर बैठे थे कि हम इसका बचाव नहीं कर सकते थे। इसलिए सभी लड़कों को श्रेय।

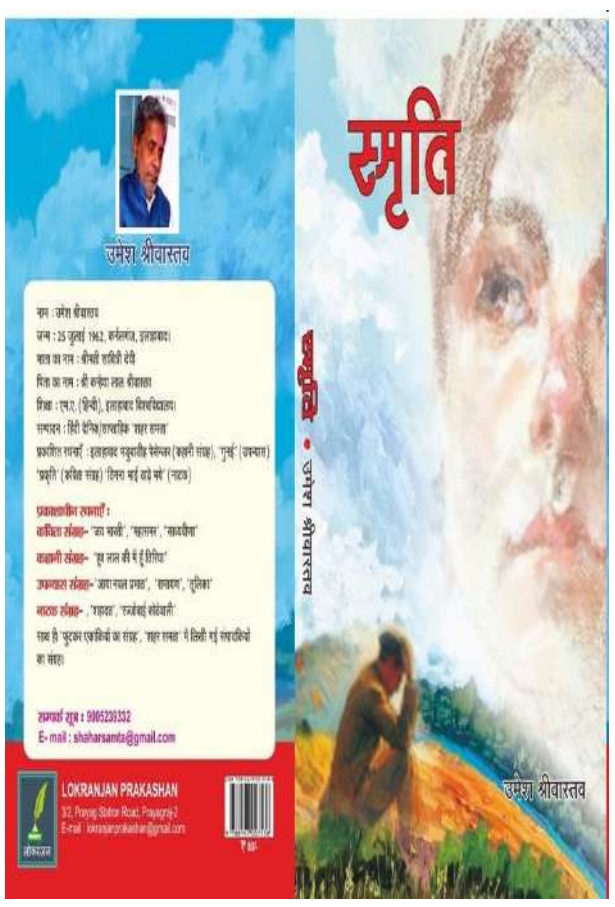

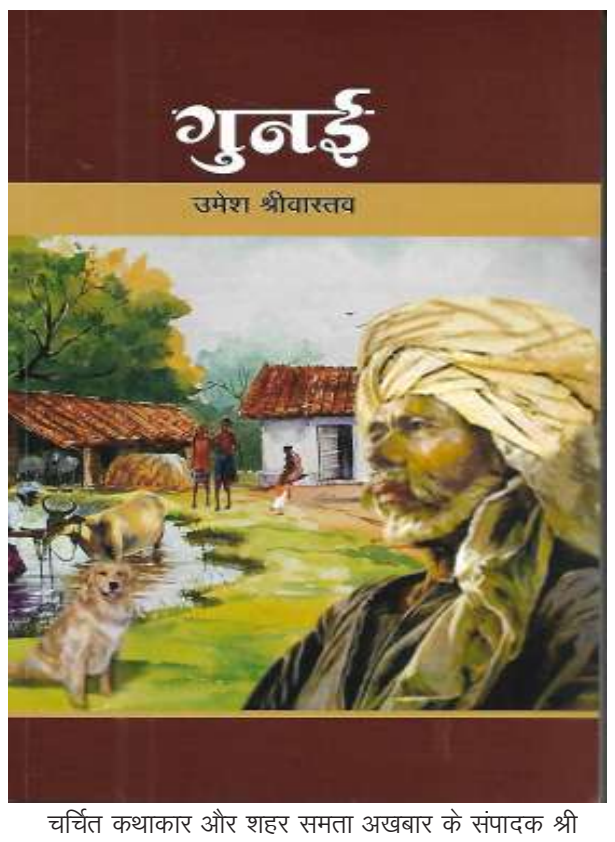

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

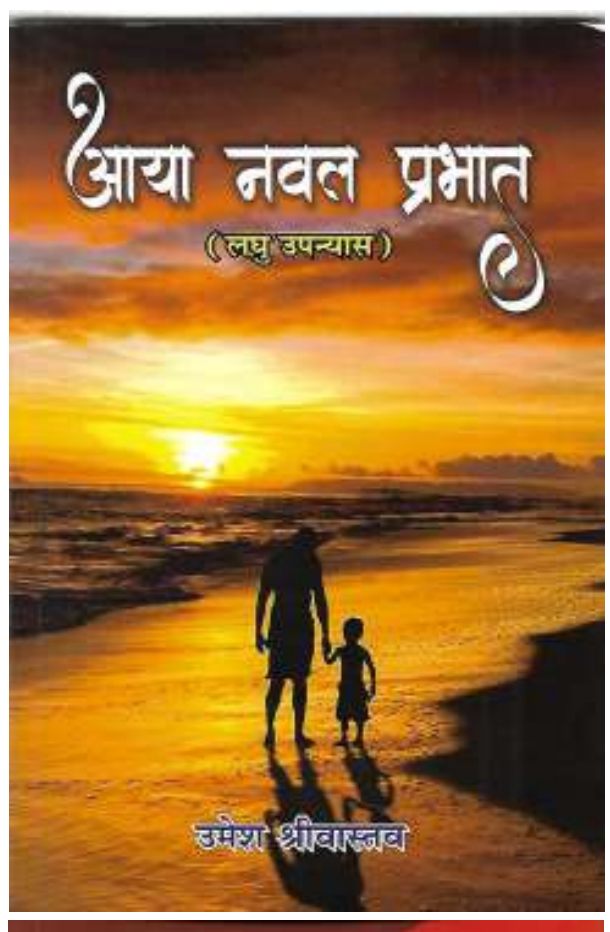

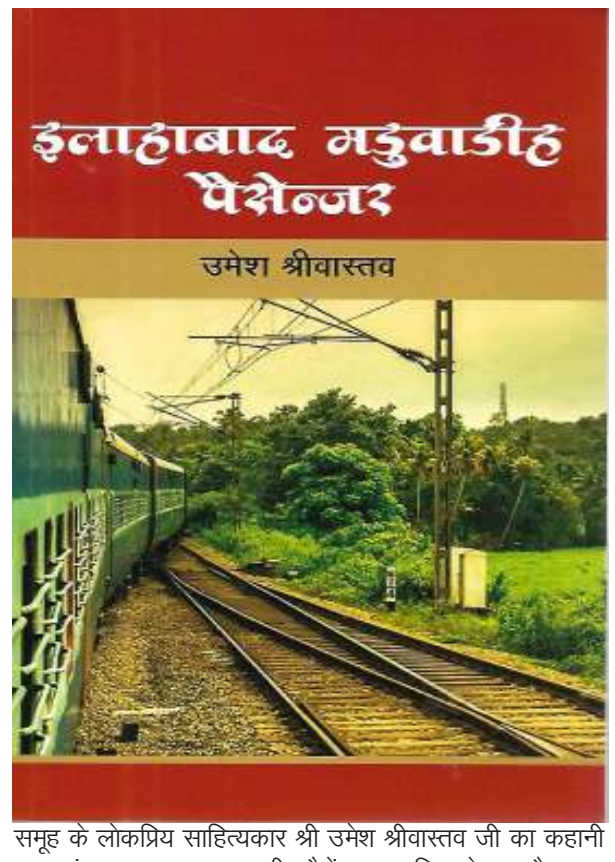

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

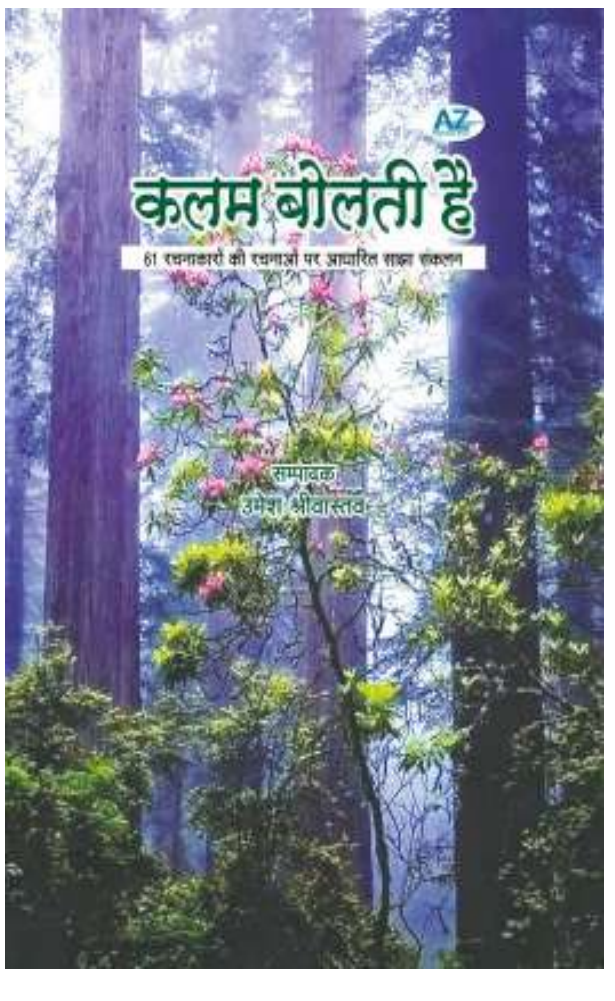

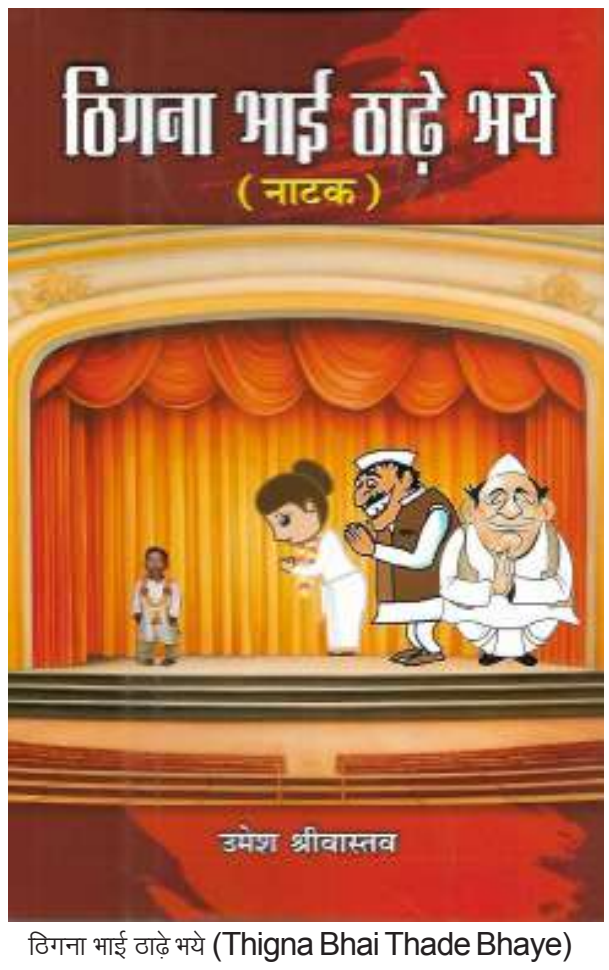

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यहीं से पढ़कर 8 राष्ट्रपति निकले हैं, आप हमें न बताएं, ट्रंप के एक्शन पर आया हावर्ड का रिएक्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का 19 हजार करोड़ रु. का फंड रोकने के आदेश दिए हैं। यूनिवर्सिटी ने यहूदी विरोधी प्रदर्शनकारी छात्रों को डिपोर्ट करने, यूनिवर्सिटी के विभागों का बाहरी एजेंसी से ऑडिट और विविधता, समानता व समावेशन (डीईआई) प्रोग्राम बंद करने का ट्रम्प का आदेश मानने से इनकार किया था। अब इसको लेकर यूनिवर्सिटी की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिकी संविधान से मिले स्वतंत्रता के अधिकार को गिरवी नहीं रखेगी। कोई भी यूनिवर्सिटी अभिव्यक्ति की आजादी का केंद्र होती है। यूनिवर्सिटी होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग हैं। भयमुक्त समाज और सभी के लिए खुशहाल जीवन के लक्ष्य के साथ यूनिवर्सिटी ने बरसों तक काम किया है। हम हमेशा से किसी भी नस्ल (यहूदी) अथवा धर्म के विरुद्ध भड़काऊ प्रदर्शनों के खिलाफ रहे हैं। पिछले 15 महीनों के दौरान हमने ऐसे प्रयास किए हैं कि दुनिया रहने के लिए एक बेहतर जगह बने। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिका की स्थापना से भी 140 साल पुरानी है। हार्वर्ड को 389 साल हो चुके हैं। यहां से पढ़कर 8 राष्ट्रपति निकले हैं। सत्ता में रहने वाली कोई भी राजनीतिक पार्टी हमें ये निर्देश नहीं दे सकती है कि हमें क्या पढ़ाना और कैसे पढ़ाना है, किन छात्रों को दाखिला देना है और किसे नियुक्ति देनी है। ट्रम्प सरकार ने यूनिवर्सिटी को अपनी नीतियों में बदलाव के आदेश दिए हैं। लेकिन, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिकी संविधान से मिले स्वतंत्रता के अधिकार को गिरवी नहीं रखेगी। कोई भी यूनिवर्सिटी अभिव्यक्ति की आजादी का केंद्र होती है। यूनिवर्सिटी होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग हैं। भयमुक्त समाज और सभी के लिए खुशहाल जीवन के लक्ष्य के साथ यूनिवर्सिटी ने बरसों तक काम किया है। हम हमेशा से किसी भी नस्ल (यहूदी) अथवा धर्म के विरुद्ध भड़काऊ प्रदर्शनों के खिलाफ रहे हैं। पिछले 15 महीनों के दौरान हमने ऐसे प्रयास किए हैं कि दुनिया रहने के लिए एक बेहतर जगह बने।

संक्षिप्त

गाजा में अस्पताल के बाहर हुए इजराइली हवाई हमले में एक चिकित्सक की मौत, कई घायल

गाजा पट्टी में कुवैत निर्मित 'फील्ड अस्पताल' के उत्तरी द्वार पर मंगलवार को इजराइली हवाई हमले में एक चिकित्सक की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। मुवासी क्षेत्र में बने अस्पताल के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में सभी मरीज और चिकित्सक हैं। यह वह इलाका है जहां लाखों लोगों ने तम्बुओं से बने विशाल शिविरों में शरण

ली हुई है। इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। इजराइल ने गाजा के साथ 18 महीने से जारी युद्ध के दौरान अस्पतालों पर बमबारी की है और उसका आरोप है कि हमास के चरमपंथी अस्पतालों का इस्तेमाल छिपने के लिए करते हैं या उनका इस्तेमाल सैन्य ठिकानों के रूप में करते हैं। हालांकि अस्पताल के कर्मचारियों ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है और उन्होंने इजराइल पर नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालने और गाजा के स्वास्थ्य तंत्र के तबाह करने का आरोप लगाया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इजराइल के साथ युद्ध में मारे गए गाजा के लोगों की संख्या 51,000 से अधिक हो गई है।

भारत को सिखा रहा था पाकिस्तान, पुराने रिकॉर्ड खोल कर एक झटके में बैठाया चुप

कानून भारत में आता है और परेशानी पाकिस्तान को होती है। भारत ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लाकर पाकिस्तान में मानो भूचाल ला दिया है। पाकिस्तान बार बार भारत के इस कानून को लेकर तरह तरह की टिप्पणियां कर रहा था। अब पाकिस्तान की टिप्पणियों को भारत ने सिरे से खारिज करते हुए पाकिस्तान को ऐसा जोरदार जवाब दिया है कि पाकिस्तान चुपकर बैठ चुका है। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट तौर पर रियलिटी चेक देते हुए कहा कि पाकिस्तान पहले अपने गिरेबान में झांके। भारत ने पाकिस्तान को पहले अपने गिरेबान

में झांकने की नसीहत दे दी है। भारत ने कहा कि हमारे आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने की बजाए खुद के यहां अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर काम करना चाहिए। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को देखना चाहहिए कि उसके देश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की कितनी रक्षा होती है। उनके खिलाफ हो रहे अत्याचार के रिकार्ड को भी देख लेना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हम भारत की संसद से पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर पाकिस्तान द्वारा किसी मकसद से प्रेरित और निराधार टिप्पणियों को सिरे से खारिज करते हैं। भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है।'' जायसवाल ने कहा, ''जब अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की बात आती है तो पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने के बजाय अपने खुद के बेहद खराब रिकॉर्ड पर गौर करना चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने कथित तौर पर वक्फ अधिनियम को मुसलमानों को मस्जिदों और दरगाहों सहित उनकी संपत्तियों से बेदखल करने का प्रयास बताया था। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कथित तौर पर आरोप लगाया, हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह भारतीय मुसलमानों के धार्मिक और आर्थिक अधिकारों का उल्लंघन है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस बात की गंभीर आशंका है कि यह (कानून) भारतीय मुसलमानों को और अधिक हाशिए पर धकेल देगा।

अफगानिस्तान में सुबह-सुबह कांपी धरती, रिक्टर पैमाने पर 5.9 रही तीव्रता

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, अफ़गानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप बुधवार सुबह भारतीय मानक समय (IST) के अनुसार 04रू43 बजे आया। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए कहा कि भूकंप अक्षांश 35.83 एन, देशांतर 70.60 ई पर आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप 75 किलोमीटर की गहराई पर आया। एनसीएस ने एक्स पर लिखा कि ईक्यू ऑफ एमरू 5.9, ऑनरू 16/04/2025 04:43:58 IST, अक्षांश: 35.83 एन, देशांतर: 70.60 ई, गहराई: 75 किमी, स्थानरू हिंदू कुश, अफगानिस्तान। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNOCHA) के अनुसार, अफ़गानिस्तान मौसमी बाढ़, भूस्खलन और भूकंप सहित प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

26/11 हमले के बाद बदल गया रिश्ता, जयशंकर ने पाकिस्तान से जुड़े सवाल पर क्यों कहा वेस्ट ऑफ टाइम

पाकिस्तान की हालत अब ऐसी हो गई है कि कोई बात नहीं करना चाहता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब पाकघ्स्धि्तान को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्ध्होंने साफ कह दघ्यिा३वेस्ट ऑफ टाइम३ उस पर कीमती समय बर्बाद करने की कोई जरूरत नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 2008 का मुंबई आतंकी हमला एक निर्णायक क्षण था, जिसने भारत के पाकिस्तान के साथ संबंधों के प्रति नजरिए को बदल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीयों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया था कि इस तरह के उकसावे को अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मंत्री गुजरात में चारोतार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक संवाद सत्र के दौरान बोल रहे थे, जब उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास किया है, जबकि उनके विचार में पाकिस्तान अपनी "बुरी आदतों" में फंसा हुआ है। जब उनसे पूछा गया कि भारत सरकार अब सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर शायद ही कभी चर्चा करती है, तो जयशंकर ने स्पष्ट किया कि उन पर बहुमूल्य समय बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है। भारत बदल गया है। काश मैं कह पाता कि पाकिस्तान बदल गया है। दुर्भाग्य से, वे कई मायनों में अपनी बुरी आदतों को जारी रखे हुए हैं। वे भारत के प्रति बहुत ही नकारात्मक दृष्टिकोण अपना रहे हैं। जब मैं पीछे देखता हूँ, तो मैं कहूँगा कि 26/11 का मुंबई आतंकवादी हमला एक महत्वपूर्ण मोड़ था। मुझे लगता है कि तब भारतीय जनता, सभी राजनीतिक दलों ने कहा कि यह बहुत ज़्यादा है। लोगों को लगा कि देश (भारत) अपने पड़ोसी से इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं कर सकता। 26 नवंबर, 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने मुंबई में कई स्थानों पर हमले किए, जिसमें लगभग 60 घंटे की घेराबंदी में 166 लोग मारे गए। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि उस समय सरकार की प्रतिक्रिया में जनता की भावना पूरी तरह से परिलक्षित नहीं हुई होगी। जयशंकर ने कहा कि 2014 के बाद मोदी सरकार ने पाकिस्तान को यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के परिणाम होंगे। उन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी मौजूदगी के दौरान पाकिस्तान के दोहरे खेल की आलोचना की और कहा कि वही आतंकी ढांचा अंततः उनके खिलाफ हो गया।

पाकिस्तान में वायुसेना का विमान हादसे का शिकार, तकनीकी खराबी के बाद हुआ विस्फोट, खेत में जा गिरा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायुसेना का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। वायुसेना के प्रशिक्षण विमान में तकनीकी खराबी के बाद विस्फोट हुआ। इसके बाद विमान एक खेत में जा गिरा। सेना ने बताया विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अफसरों ने बताया कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) का प्रशिक्षण विमान मिराज वी आरओएसई मंगलवार को लाहौर से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में वेहारी जिले के उपनगरीय क्षेत्र रत्ता टिब्बा के खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने वेहारी शहर के पास थिंगी हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी,

लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण एक तेल डिपो के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं क्योंकि वे विमान से बाहर निकलने में सफल रहे। दोनों को पास के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इसमें न तो कोई हताहत हुआ और न ही किसी इमारत को कोई नुकसान पहुंचा। लोगों ने बताया कि उन्होंने एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी। इसके बाद खेत में धुएं का गुबार छा गया। बचाव दल 1122, सैन्य और पुलिस कर्मी तथा बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। मिराज वी आरओएसई फ्रांसीसी मिराज 5 का बेहतर संस्करण है, जो 1970 के दशक से पाकिस्तान वायु सेना के साथ सेवा में है। रेट्रोफिट ऑफ स्ट्राइक एलिमेंट (आरओएसई) कार्यक्रम ने इसके एवियोनिक्स और रडार को बेहतर बनाया। इससे इसकी सटीकता और लड़ाकू क्षमताओं में सुधार हुआ। अपनी उम्र के बावजूद यह पीएएफ के बेड़े का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।

2007 में वर्जीनिया टेक सामूहिक गोलीबारी कैसे घटी ? सनकी हमलावर ने ले ली थी 32 छात्रों की जान

वर्जीनिया टेक शूटिंग 16 अप्रैल 2007 को हुई गोलीबारी की एक श्रृंखला थी, जिसमें ब्लैक्सबर्ग, वर्जीनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी (वर्जीनिया टेक) के परिसर में दो हमले शामिल थे। यूनिवर्सिटी में स्नातक छात्र सेउंग-हुई चो ने आत्महत्या करने से पहले दो अर्ध-स्वचालित पिस्तौल से 32 लोगों की हत्या कर दी और 17

अन्य को घायल कर दिया। चो से बचने के लिए खिड़कियों से कूदकर छह अन्य घायल हो गए।

वर्जीनिया टेक शूटिंग की वो भयानक घटना

16 अप्रैल, 2007 को वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट और स्टेट यूनिवर्सिटी में कई छात्रों और शिक्षकों के लिए यह एक सामान्य दिन था। लेकिन यह दिन एक भयावह मोड़ लेने वाला था। सुबह 7:15 बजे थे जब यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी के एक प्रमुख सेउंग-हुई चो ने कैंपस के एक छात्रावास में एक महिला फ्रेशमैन और एक पुरुष रेजिडेंट असिस्टेंट को गोली मार दी। इसके बाद वह इमारत से भाग गया। सुबह 9:40 बजे वह नॉरिस हॉल, एक क्लासरूम बिल्डिंग में 9-मिलीमीटर हैंडगन, एक 22-कैलिबर हैंडगन और सैकड़ों राउंड गोला-बारूद के साथ फिर से दिखाई दिया। इस बार उसने इमारत में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं को बंद कर दिया और जंजीरों से बांध दिया। इसके बाद जो हुआ, उसमें 32 छात्रों की जान चली गई और करीब एक दर्जन घायल हो गए।

हमलावर ने खुद को गोली मार ली थी

रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी लगभग 10 मिनट तक चली जिसके बाद 23 वर्षीय हमलावर ने खुद को गोली मार ली। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के इतिहास वाले चो ने पहले भी प्रोफेसरों और छात्रों को परेशान करने वाला व्यवहार दिखाया था। फिर भी, उस समय संचार टूटने और प्रचलित गोपनीयता कानूनों ने सार्थक हस्तक्षेप को बाधित किया। चौंकाने वाले नरसंहार का गहरा राष्ट्रीय प्रभाव पड़ा, जिसने बंदूक नियंत्रण, परिसर की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणालियों को फिर से गहन सार्वजनिक चर्चा में ला दिया। इसके नतीजों में देश भर के विश्वविद्यालयों में आपातकालीन चेतावनी प्रोटोकॉल में महत्वपूर्ण परिवर्तन और वर्जीनिया में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विधायी परिवर्तन शामिल थे। त्रासदी के मद्देनजर शोक ने वर्जीनिया टेक और पड़ोसी समुदाय को एकजुट कर दिया। 32 पीड़ितों को समर्पित एक स्थायी स्मारक अब परिसर में खड़ा है, जो स्मरण और शांत चिंतन के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है।

गाजा के सिक्योरिटी जोन से नहीं हटेंगे इस्राइली सैनिक, रक्षा मंत्री बोले- गलती नहीं दोहराएंगे

गाजा। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज का कहना है कि गाजा के सिक्योरिटी जोन में इस्राइली सैनिक अनिश्चितकाल तक तैनात रहेंगे। यह कथित सिक्योरिटी जोन या बफर जोन इस्राइल और गाजा की सीमा पर बनाया गया है, जिसमें गाजा की काफी जमीन नो मेंस लैंड में तब्दील हो गई है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने ये भी कहा है कि गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी उनके सैनिक अनिश्चिकाल तक तैनात रहेंगे। गौरतलब है कि जिस कथित सिक्योरिटी या बफर जोन में इस्राइली सैनिक तैनात हैं, वह गाजा के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10 प्रतिशत है। इस बफर जोन के जरिए इस्राइल ने पूरे गाजा को चारों तरफ से घेर लिया है और बफर जोन से लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा है कि अगर हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो इस्राइली सेना गाजा में अपने ऑपरेशन और सघन करती चली जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे गाजा और छोटा और अलग-थलग पड़ जाएगा। काट्ज ने कहा कि पहले की तरह इस्राइली सेना जब्त इलाकों को इस बार खाली नहीं करेगी और दुश्मनों और इस्राइल के बीच के बफर जोन में तैनात रहेगी।

ये लोग सामाजिक सुरक्षा फंड को लूटना चाहते हैं, राष्ट्रपति पद से हटने के बाद ट्रंप प्रशासन पर बरसे बाइडन

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर ट्रंप प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर सामाजिक सुरक्षा प्रशासन को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा प्रशासन को कमजोर इसलिए किया जा रहा है ताकि इसके पैसे को लूटा जा सके। राष्ट्रपति पद से हटने के बाद पहली बार बाइडन ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों पर तीखा हमला बोला। बाइडन ने शिकागो में वकीलों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान कहा कि अब नए प्रशासन को सत्ता में 100 दिन ही हुए हैं, लेकिन इन 100 दिनों में ही इस सरकार ने कितना नुकसान कर दिया है। उन्होंने संघीय सरकार से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि सरकार अभी हजारों और कर्मचारियों को निकालने की कोशिश कर रही है। बाइडन ने ट्रंप प्रशासन के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि ये लोग पहले गोली चला रहे हैं और उसके बाद निशाना लगा रहे हैं और इसके चलते लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाइडन ने सरकार पर देश को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका पहले कभी इतना बंटा हुआ नहीं था। उन्होंने कहा कि ये करीब 30 प्रतिशत लोग हैं, लेकिन इनके सीने में दिल नहीं है। बाइडन ने कहा कि सरकार सामाजिक सुरक्षा के फंड में कटौती कर रही है। सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है, जिससे प्रशासन का कामकाज प्रभावित हुआ है। अब लोग सामाजिक सुरक्षा की वेबसाइट पर लॉगइन करते हैं तो वेबसाइट क्रैश हो जा रही है। इससे लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा। बाइडन ने कहा कि श्लोगों को अपने आप से पूछना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है? ये लोग सामाजिक सुरक्षा को निशाना क्यों बना रहे हैं? वे इसे कमजोर करके इसे लूटना चाहते हैं ताकि अमीरों को टैक्स कटौती का लाभ दिया जा सके।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।